प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ... सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-06, अंक-12 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 14 दिसम्बर 2023 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

सुविचार

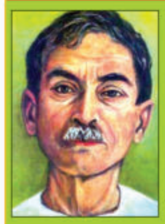

दौलतमंद आदमी को जो सम्मान मिलता है, वह उसका नहीं उसकी दौलत का सम्मान है।

मुंशी प्रेमचंद

संसद की सुरक्षा में हुई बड़ी चूक, लोकसभा कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से कूदे 2 लोग

शख्स को पहले सांसदों ने पकड़ा, फिर जमकर की धुनाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

संसद पर हमले की बरसी के दिन लोकसभा के भीतर सुरक्षा में भारी चूक का मामला सामने आया है। संसद की कार्यवाही चल रही थी और शून्य काल के दौरान दर्शक दीर्घा से दो युवक कार्यवाही के बीच कूद गए। एक युवक मेज पीट रहा था और दूसरा युवक ने अपने पैर से जूता निकाला और फिर उसमें से कुछ चीज निकालकर स्प्रे कर दिया, जिससे सदन में पीला धुआं फैल गया। जिस वक्त यह सब हो रहा था, उसी दौरान वहां मौजूद सांसदों ने युवक को पकड़कर धुनाई कर दी।

सांसद हनुमान बेनीवाल समेत कुछ सांसदों ने तेजी से आगे बढ़ते हुए युवक को नीचे गिरा लिया और फिर जमकर पिटाई की। इस घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। सदन के भीतर से सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि विजिटर गैलरी से नीचे कूदे शख्स को कुछ सांसदों ने पकड़ लिया। इसी दौरान एक ने उसके बाल पकड़ लिए, जबकि कई अन्य ने

उसकी पिटाई शुरू कर दी। बाद में दोनों युवकों को दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया।

उधर, इसी दौरान संसद परिसर के बाहर एक युवक और युवती को नारेबाजी और पटाखे फोड़ने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। दोनों ''तानाशाही बंद करो'' के नारे लगा रहे थे। दोनों को सुरक्षा कर्मियों ने संसद मार्ग थाने में पूछताछ के लिए रखा है। संसद के अंदर और बाहर घुसपैठ करने वाले चारों आरोपियों को हिरासत में रखा गया है। इस घटना में दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। इनके नाम नीलम और अनमोल शिंदे है। नीलम महिला है और उनकी उम्र 42 वर्ष है वो हरियाणा के हिसार की रहने वाली है। दूसरे आरोपी का नाम अनमोल शिंदे है। अनमोल के पिता का नाम धनराज शिंदे है और महाराष्ट्र के लातूर का रहने वाला है, इसकी उम्र 25 वर्ष है।

विजिटर्स की एंट्री निलंबित

संसद की सुरक्षा में चूक सामने आने के बाद बुधवार शाम को बड़ा फैसला लिया गया। संसद भवन परिसर में दर्शकों का प्रवेश निलंबित कर दिया गया है। लोकसभा में कूदने वालों की पहचान सागर शर्मा और मनोरंजन के रूप में हुई है। इस घटना के बाद आज के लिए वैध आगंतुक पास रखने वाले लोगों को स्वागत क्षेत्र से वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि अब तक दर्शकों या आंगुतकों पर प्रतिबंध लगाने का कोई लिखित निर्देश नहीं आया है। आमतौर पर, दर्शकों के पास दो घंटे के लिए जारी किए जाते हैं। इससे पहले, दिन में कई सांसदों की पत्नियों ने नए संसद भवन का दौरा किया था।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री ने ली शपथ, राजस्थान में कल आयोजित होगा शपथ समारोह

भोपाल। मध्य प्रदेश में मोहन'राज' का आगाज हो गया है। बुधवार को प्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। लाल परेड ग्राउंड में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मोहन यादव के अलावा डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा को शपथ दिलाई। पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में मोहन, जगदीश और राजेंद्र ने शपथ ली।

कई दिनों से चल रही अटकलों को खत्म करते हुए भाजपा ने सोमवार को मोहन यादव को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में चुना और पार्टी के दिग्गज नेता शिवराज सिंह चौहान पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद संभालने का रिकॉर्ड नहीं बना पाए। शिवराज सिंह चौहान सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री रहे 58 साल के मोहन यादव को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। मध्य प्रदेश में राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा उपमुख्यमंत्री का ओहदा संभालेंगे।

विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री तो अरुण साव और विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री की ली शपथ

विष्णदेव साय के रूप में छत्तीसगढ़ को नया मुख्यमंत्री मिल गया है। विष्णुदेव साय ने बुधवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने उपमुख्यमंत्री के रूप में अरुण साव और विजय शर्मा को भी शपथ दिलाई। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए।

भाजपा ने रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और छत्तीसगढ़ में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके आदिवासी नेता साय (59) को नए मुख्यमंत्री के रूप में चुना। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में हुए समारोह में 50 हजार से अधिक लोग प्रत्यक्षदर्शी बने। अधिक से अधिक लोग शपथग्रहण देख सके इसके लिए 'एलईडी' स्क्रीन भी लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था में लगभग एक हजार पुलिस जवान तैनात रहे।

राजस्थान में शपथ 15 को

राजस्थान में भाजपा ने जयपुर की सांगानेर विधान सभा से जीतने वाले एमएलए भजन लाल शर्मा को राजस्थान की कमान सौंपने का फैसला किया है। राजस्थान में सीएम और मंत्रिमंडल तय होने के बाद शपथ ग्रहण समारोह 15 दिसंबर तक हो जाएगा। ऐसा इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि 16 दिसंबर से खरमास (मलमास) शुरू होने जा रहा है। हिंदू रीति के अनुसार इस दौरान शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं।

भाजपा के तीन नए मुख्यमंत्रियों पर बोली कांग्रेस

नई दिल्ली। भाजपा ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में नए चेहरों को मुख्यमंत्री बनाया है। पहली बार के विधायक भजनलाल शर्मा राजस्थान के सीएम होंगे, जबकि शिवराज सरकार में लो-प्रोफाइल मिनिस्टर रहे मोहन यादव मध्य प्रदेश के सीएम बन गए हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में आदिवासी विष्णु देव साय को कमान सौंपी गई है। तीनों ही राज्यों में शिवराज, वसुंधरा और रमन सिंह जैसे दिग्गज नेताओं को मौका नहीं मिला है। इसे लेकर अब कांग्रेस ने सीधा पीएम नरेंद्र मोदी और होम मिनिस्टर अमित शाह पर तंज कसा है। कांग्रेस के सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि, इन नए चेहरों को चुनने से पता चलता है कि भाजपा में लोकतंत्र नहीं है। यही नहीं कांग्रेस ने आडवाणी और जोशी को भी याद किया है।

कांग्रेस सांसद ने कहा, इन तीन नेताओं को

मौका मिलना पूरी तरह अप्रत्याशित है। इससे पता चलता है कि मोदी और अमित शाह की पसंद ही मायने रखती है। जनता या विधायकों की पसंद मायने नहीं रखती है। यह अमित शाह और पीएम मोदी की सोच है। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी एक पोस्ट किया है, जिसमें लिखा है कि भाजपा किसको मुख्यमंत्री बनाये किसको नहीं यह उनका अपना मामला है। लेकिन तीन राज्यों के निर्णयों को ऐतिहासिक बताना कहां तक सही है?

इसके आगे सुप्रिया एक्स पर लिखती हैं, असलियत यह है कि यह भाजपा के क्षेत्रीय क्षत्रपों का अंत है। जो कोई भी पीएम मोदी के लिए चुनौती बन सकता है, उसको निपटाया जाएगा और चुने हुए विधायक नहीं बल्कि दिल्ली में 2 लोगों का फ़ैसला ही थोपा जाएगा। यह मुख्यमंत्री कठपुतलियों की तरह इनके इशारे पर चलेंगे और जब साहेब का मन आएगा इनमें से कोई भी कभी भी निकाल दिया जाएगा- जैसा कि उत्तराखंड, गुजरात, असम जैसे अनेक राज्यों में हुआ। सुप्रिया श्रीनेत ने इससे आगे लिखा कि, भाजपा के अंदर लोकतंत्र पूरी तरह से ख़त्म है और पार्टी के नाम पर दो लोगों की मनमर्ज़ी चलती है।

मणिपुर के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करें- सीएम बीरेन सिंह

इंफाल, एजेंसी।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने मिजोरम समकक्ष लालदुहोमा से राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने को कहा है। सिंह ने कहा कि, पड़ोसी राज्य मणिपुर में जातीय संघर्ष को हल करने के लिए अपना समर्थन दे सकते हैं, उन्होंने मिजोरम के मुख्यमंत्री से दूसरे राज्य के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचने का अनुरोध किया।

मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने कहा, मैंने मिजोरम के नवनियुक्त सीएम की एक टिप्पणी देखी है कि राज्य पुलिस को मोरेह में उनके लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए। मुझे लगता है कि यह उनके संवैधानिक अधिकारों से थोड़ा परे है। उन्होंने आगे कहा कि, यह मणिपुर सरकार का आंतरिक मामला है। मोरेह एक सीमावर्ती शहर है जो मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित है।

इससे पहले, एक सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, मैंने हमारे राज्य में जातीय हिंसा के बारे में असम के मुख्यमंत्री हिमंत सरमा और नागालैंड के सीएम नेफ्यू रियो से बात की थी और उन्होंने इस मुद्दे को सुलझाने और शांति बहाल करने के लिए अपना समर्थन देने की पेशकश की थी।सिंह ने कहा, मैंने त्रिपुरा, मेघालय और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों से भी बातचीत की और उन्होंने भी राज्य में स्थिति सामान्य बनाने के लिए मदद का हाथ बढ़ाया।

सिंह ने जोर देकर कहा, मैं इन सबका जिक्र इसलिए कर रहा हूं क्योंकि मणिपुर और मिजोरम के बीच कोई असहमति या झगड़ा नहीं है। मिजोरम में मेइतेई और मणिपुर में मिज़ोस हैं। असम और त्रिपुरा में भी एक लाख से अधिक मेइतेई हैं। पूर्वोत्तर में, हम सभी एक साथ रहते हैं।

धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। गालिब का यह शेर वर्तमान में कांग्रेस पार्टी पर सटीक बैठता है कि,

''ग़ालिब ताउम्र ये भूल करता रहा,
धूल चेहरे पर थी आईना साफ करता रहा।''

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में हारने के बाद बुलाई गई समीक्षा बैठक में हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़कर महज कुछ सेकंडों में हर विधानसभा का विश्लेषण किया गया। भारत में चुनाव आयोग के माध्यम से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव किए जाते हैं और ईवीएम में खराबी का दोषारोपण यानी चुनाव आयोग को दोष देता है। ऐसे में चुनाव आयोग को तय करना चाहिए कि, इस तरह के आरोपों का जवाब किस तरह दिए जाएं। आयोग द्वारा एक से अधिक बार राजनीतिक दलों से यह कहा जा चुका है कि, अगर वे ईवीएम में किसी भी तरह की गड़बड़ी की पुष्टि कर सकते हैं तो प्रमाण आयोग को उपलब्ध करवाए, आयोग हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। बावजूद इसके कोई भी राजनीतिक दल ईवीएम में गड़बड़ी संबंधी कोई प्रमाण आयोग को पेश नहीं कर पाया है। ऐसे में हर चुनाव में ईवीएम के दोषारोपण पर आयोग को नियमानुसार कार्यवाही करना चाहिए।

चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष

भारत में किसी भी क्षेत्र में चुनावो की तारीखों के ऐलान के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाती है और पूरा प्रशासनिक अमला चुनाव आयोग के अधीन हो जाता है। किस मतदान केंद्र पर कौन सी मशीन जाएगी इसका निर्धारण रैण्डमली होता है। यही नहीं किस मतदान केंद्र पर कौन-कौन से कर्मचारी रहेंगे इसका निर्धारण भी रेण्डमली किया जाता है और इसका पता संबंधित कर्मचारियों को मतदान के एक दिन पूर्व ही चलता है जब वह चुनावी ड्यूटी के लिए पहुंचता है। इसके अलावा भी मतदान के दिन वास्तविक मतदान के पहले संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रत्येक मतदान केंद्र पर दिखावटी मतदान (मॉक पोल) किया जाता है। जिसमें संबंधित क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीद्वार को समान रूप से न्यूनतम 50 वोट दिए जाते हैं। उसके पश्चात उम्मीद्वारों के एजेंट के समक्ष ही रिजल्ट दिखाया जाता है। वीवीपेट में निकाली गई पर्चियों से मशीन के रिजल्ट का मिलान किया जाता है, उसके पश्चात मशीन को क्लियर कर उसमें डाले गए मतों की संख्या शून्य दिखाकर एजेंटो के

हस्ताक्षर लेकर मशीन को निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई नंबर युक्त सील से सील किया जाता है। मशीन का नंबर व सील का नंबर एजेंटो को नोट करवाया जाता है। उसके पश्चात मतदान प्रारंभ किया जाता है। यही नहीं मतदान के दौरान अगर किसी मतदाता को यह लगता है कि, उसके द्वारा दबाए गए बटन के नाम व चिन्ह वाली पर्ची वीवीपेट में नहीं गिर रही है तो, वह इसकी शिकायत संबंधित मतदान केंद्र पर कर सकता ह। ऐसी स्थिति में आयोग द्वारा निर्धारित नियमानुसार टेस्ट वोटिंग करवाई जा सकती है। अगर मतदाता का दावा सही निकलता है तो, तत्काल मतदान को रोक दिए जाने के नियम है। वहीं अगर मतदाता का दावा गलत निकलता है तो उसे हवालात की हवा खाना पड़ सकती है। मतदान समाप्ति के पश्चात कुल डाले गए मतों का विवरण पीठासीन अधिकारी द्वारा संबंधित एजेंट को दिया जाता है और एजेंट के समक्ष ही ईवीएमको सील्ड किया जाता है, जिस पर एजेंट के हस्ताक्षर के साथ ही आयोग द्वारा दी गई नंबर युक्त सील लगाई जाती है। उसके पश्चात सभी सामग्री को उम्मीद्वार के समक्ष स्ट्रांग रूम में रखा जाता है ।तथा उस पर मतगणना तक लगातार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही कैमरे की नजर भी रहती है। वही मतगणना के दौरान सबसे पहले उम्मीद्वार या उसके प्रतिनिधि को एजेंट के हस्ताक्षर युक्त सील्ड मशीन दिखलाई जाती है। उसके पश्चात पारदर्शी तरीके से रेण्डमली नियुक्त कर्मचारी, अधिकारियों तथा आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षको की निगरानी में मतगणना की जाती है। अब इस पूरी व्यवस्था में ईवीएम में छेड़खानी कैसे की जा सकती है...? इतनी चॉक-चौबंद व्यवस्था के बीच अगर कोई व्यक्ति ऐसा दावा करता है तो वो सबूत दे या फिर आयोग उस पर विधि सम्मत कार्यवाही करें... क्योंकि प्रजातंत्र में निर्वाचन प्रक्रिया को बार-बार चेलेंज दिए जाने व आयोग द्वारा कोई कार्यवाही न करने पर आयोग की छवि को नुकसान होता है। बेहतर यही होता कि, कांग्रेस ईवीएम पर आरोप लगाने के बजाय खुद के द्वारा की गई गलतियों को सुधार करें और आगामी चुनाव बेहतर तैयारी के साथ मुद्दे के आधार पर लड़े।

मोहन की मुरली की तान पर मध्यप्रदेश...

विष्णु के सहारे छत्तीसगढ़ और राजस्थान गायेगा भजन

माही की गूंज झाबुआ।

तमाम अटकलो को खारिज करते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने तीनों राज्यों में गहन विचार विमर्श करने के बाद चौंकाने वाले फैसले लिए हैं। हालांकि मोदी और शाह की जोड़ी द्वारा इस प्रकार के फैसले लेना कोई नई बात नहीं है। कई ऐसे मौके आए जब इस जोड़ी ने कई अप्रत्याशित फैसले लिए है। हालांकि इन फैसलों को लेने में भाजपा नेतृत्व ने समय अवश्य लिया लेकिन उसके बाद भी कई कोई असंतोष के स्वर न सुनाई देना कहीं न कहीं भाजपा आलाकमान के होने का अहसास करवा रहा है। आलाकमान ने जो नाम तय करके भेजें विधायक दल ने उन्हीं का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया है और इस सर्वसम्मति से चुने गए नेताओं की जिम्मेदारी को बढ़ा दिया है। इतने बड़े बहुमत को साथ लेकर चलना इन नेताओं के लिए चुनौती होगा। मध्य प्रदेश में यह चुनौती और भी बढ़ जाती है जहां दो तिहाई बहुमत के साथ ही केंद्रीय मंत्री तथा सांसद तक विधायक चुने गए हैं।

मध्य प्रदेश की कमान डॉक्टर मोहन यादव, छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय व राजस्थान की कमान भजनलाल शर्मा को दिए जाने के बाद राजनीतिक कई विश्लेषक इसे सोशल इंजीनियरिंग तो कोई 2024 का लोकसभा चुनाव तो कोई इसे जातिगत संतुलन को देखकर जोड़ रहा है। लेकिन मोदी के मन में क्या है...? यह तो मोदी ही बतला सकते हैं। इतना तो तय है कि मोदी के इस फैसले ने कांग्रेस को भी यह सोचने पर मजबूर अवश्य कर दिया है कि, उसे अब क्या करना है। क्या नई पीढ़ी को जिम्मेदारी देना या अनुभव को तरहिज़ देना है। मोदी के फैसले के बाद भाजपा लोकसभा चुनाव की तैयारीयो में अन्य दलों से एक कदम आगे हो गई है। अब कांग्रेस को अपनी रणनीति तय करना है, जबकि भाजपा की रणनीति स्पष्ट हो चुकी है कि, एमपी के मन में मोदी, मोदी के मन में मोहन, विष्णु, भजन।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा कलेक्टर सभाकक्ष में 11 बजे समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक में कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा समयावधि पत्रों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। दिव्यांगो का पेंशन भुगतान जल्द से जल्द किए जाने को कहा गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को खाद्यान्न की दुकानों का निरीक्षण करने को कहा गया एवं यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि, खाद कही पर भी उचित मूल्य से अधिक की कीमत पर नहीं दिया जाए। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। सी.एम. हेल्पलाइन 181 पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा कर एल 3 एवं एल 4 लेवल पर लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकृत करने को कहा गया। लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के तहत समय सीमा से बाहर लंबित शिकायतों को निराकृत करे। सीएम हाउस एवं वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त शिकायतें की समीक्षा कर संबंधित विभागों को निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया।

कलेक्टर सुश्री हुड्डा द्वारा बताया गया कि, जिले में ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुँच को सुगम बनाये जाने के उदेश्य से 17 दिसम्बर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक आयोजित की जाएगी। इस संबंध में संबंधित विभागों को आई.ई.सी. वेन के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के पूर्व अपने विभाग की योजनाओं के प्रचार-प्रसार, हितग्राहियों के आवेदन, हितग्राही चयन, आवेदनों का निराकरण की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

बैठक में स्कूल, छात्रावासो एवं आश्रम का निरीक्षण करने को कहा। जनपद सीईओ एवं सीडीपीओ को कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती करने हेतु निर्देशित किया। डेंगू एवं मलेरिया के प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुए फॉगिंग करने हेतु निर्देशित किया। इस संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को शासकीय उचित मूल्य दुकानों, आरोग्यम स्वास्थ्य केंद्रों एवं हॉस्टल्स के निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया। आईटीआई प्रिंसिपल द्वारा पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को सहायता के लिए एक केंद्रीय योजना ÷प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना÷ के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा की सामग्री प्राप्त एवं वापसी हेतु की गई नियुक्ती

माही की गूंज, झाबुआ । कलेक्टर जिला झाबुआ के आदेशानुसार राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 रविवार 17 दिसम्बर को प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय सत्र 2:15 बजे से 4:15 बजे तक दो सत्रों में परीक्षा जिला मुख्यालय झाबुआ में आयोजित की जा रही है। आयोजित की जाने वाली परीक्षा के मुहरबंद प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं आदि सामग्री लोक सेवा आयोग रेसीडेन्सी एरिया, इंदौर के कार्यालय से 15 दिसम्बर 2023 को प्रातः 8 बजे प्राप्त करने के लिये श्रीमती आशा परमार, डिप्टी कलेक्टर झाबुआ को अधिकृत किया गया है।

डिप्टी कलेक्टर झाबुआ श्रीमती आशा परमार की सहायता हेतु परीक्षा के मुहरबंद प्रश्न-पत्र एवं परीक्षा की गोपनीय सामग्री प्राप्त करने के लिए सहायक ग्रेड-2 जिला कार्यालय झाबुआ मनीष वरदिया, सहायक ग्रेड-3 जिला कार्यालय झाबुआ से भरत व्यास, अमित डावर, पंकज सिंगाडिया एवं जॉन प्रकाश भूरिया, भारतसिंह चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, तहसील कार्यालय झाबुआ, रामसिंह हटिला, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी खाद्य शाखा जिला कार्यालय, बाबु भाबोर, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जिला कार्यालय झाबुआ, अखिलेश गामड, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सामाजिक न्याय विभाग झाबुआ एवं लोकेन्द्र भृत्य, जिला कार्यालय झाबुआ को लोक सेवा आयोग कार्यालय मुख्यालय इन्दौर से परीक्षा सामग्री प्राप्त करने हेतु श्रीमती आशा परमार, डिप्टी कलेक्टर झाबुआ के निर्देशन में कार्य सम्पादित करने हेतु नियुक्त किया गया है।

सात दिवसीय शिविर का हो रहा आयोजन

माही की गूज, बड़वानी।

शा. उन्या महाविद्यालय बड़वानी की रासेयो इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष ग्रामीण इकाई शिविर का आयोजन आशाग्राम शिवकुंज पहाड़ी पर किया जा रहा है। शिविर के द्वितीय दिवस में प्रातः कालीन गतिविधियों के अंतर्गत प्रभातफेरी योगा एवं सचिन दुबे, शिवकुंज पहाड़ी योगा ग्रुप के मार्गदर्शन में परियोजना कार्य के अंतर्गत फलावर वेली, जिम, लॉन तथा रैन बसेरा के सामने सफाई कार्य किया गया। बौद्धिक सत्र में उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एसएन यादव आशाग्राम फाउण्डर सेकेंड्री तथा भूतपूर्व कुलपति रीवा विश्वविद्यालय ने छात्राओं को सफल शिविर संचालन हेतु शुभकामनाएं दी। विशेष अतिथि के रूप प्राचार्य डॉ. वंदना भारती ने शिविरार्थियों से कहा कि, कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नही होता है। और सारे काम अपने मन से करने से प्रत्येक कार्य सफल अवश्य होता है।

विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.कविता भदौरिया ने कहा कि, रासेयो हम राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते है। रासेयो के माध्यम से छात्राएं राष्ट्र निर्माण मे योगदान देते है। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को समाज सेवा से समबंधित समस्त कार्यां का अवलोकन कर पाएगे।

डॉ. एस.एन यादव ने बताया कि, 1913 के राणाजी ने कुष्ट रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिए कोड़ी बगले का निर्माण कराया और उनके रहने , भोजन की व्यवस्था कराई गई । सन् 1982 मे रासेयो विद्यार्थियों ने कुष्ट रोगियों की बस्ती का सर्वे किया। 1983 में आईएस अधिकारी हर्षवर्धन सर की नियुक्ति हुई जिन्होने सर्वे रिपोर्ट सौंपी गई। ट्रैफिक पुलिस उषा सिसोदिया मेम ने कहा की 7 दिवसीय कार्यक्रम मे विद्यार्थियों को इस षिविर के माध्यम से बहुत कुछ गतिविधियां सिखने का अवसर प्राप्त होगा। जब भी आप कोई काम करें आपको प्रेजेंट ऑफ द माईन्ड का उपयोग करते है तो आप बहुत कुछ सिख सकते है। मेम के द्वारा ट्रैफिक से संबंधित जानकारी प्राप्त कि गई।

शिविर की रूपरेखा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता भायल द्वारा बताई गई । कार्यक्रम का संचालन कु. अर्चना काग ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कु. उर्वशी राठौर ने की। कार्यक्रम का आभार शिविर संचालक कु. निकिता जमरे ने किया। इस अवसर पर अतिथि विद्वान डॉ.तंज़िम कायनात शेख एवं सुरक्षाकर्मी वैष्णवी जाधव तथा शिविरार्थी उपस्थित थे।

पंचायतों के उप निर्वाचन संपन्न कराए जाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

माही की गूंज, झाबुआ ।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला झाबुआ के आदेशानुसार म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के पत्र द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन 2023 (उत्तरार्द्ध) संपन्न कराए जाने के लिए अधिकारियों को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ को जिला पंचायत झाबुआ के आवश्यकतानुसार स्टाफ के साथ कार्मिक प्रबंधन मतदान दलों के गठन की कार्यवाही, निर्वाचन कार्य से संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर, सहा. रिटर्निंग ऑफिसर , पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल ऑफिसर आदि से संबंधित समस्त प्रशिक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर तैयार करने, प्रशिक्षण की समय सारणी तैयार करने, मतदान दलो को प्रशिक्षण देने एवं रिटर्निंग ऑफिसर स्तर पर प्रशिक्षण करने का कार्य सौपा गया है।

अपर कलेक्टर जिला झाबुआ एसएस मुजाल्दा को अपने कार्यालयीन स्टाफके साथ कानून एवं शांति व्यवस्था तथा आदर्श आचरण संहिता का क्रियान्वयन तथा कलेक्टर के दायित्वाधीन समस्त कार्यो में सहयोग का दायित्व दिया गया है।

अनुविभागीय दंडाधिकारी झाबुआ, थांदला, मेघनगर एवं पेटलावद को अपने कार्यालयीन स्टाफ के साथ कानून व्यवस्था, शिकायत आवेदनों का पंजीयन, शिकायत आवेदनों का आयोग द्वारा निर्धारित अवधि में निराकरण करने, शिकायत निराकरण का प्रतिवेदन समयावधि में भेजने एवं आयोग से प्राप्त शिकायत का समयावधि में प्रतिवेदन कलेक्टर अभिमत सहित भेजने। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों की निगरानी, शिकायतों से संबधित आवेदनों की जांच में पायी स्थिति के अनुसार संबंधित से कार्यवाही पालन सुनिश्चित करने, आदर्श आचरण संहिता के उल्लघंन शिकायतो के जांच एवं कार्यवाही तथा प्रतिवेदन सुनिश्चित करने एवं संपति विरूपण अधिनियम का पालन सुनिश्चित करने एवं इस हेतु तहसीलवार दलों का गठन दैनिक प्रतिवेदन प्राप्त करने का कार्य सौपा गया है ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला झाबुआ को अपने कार्यालय स्टाफ के साथ मतदान दलों एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के लिए दवाईयों के किट तैयार कराने तथा चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने, सामग्री वितरण दिवस एवं वापसी दिवस पर चिकित्सा व्यवस्था करने एवं मतगणना स्थल पर चिकित्सा व्यवस्था करने का कार्य दिया गया है।

कार्यपालन यंत्री एमपीईबी जिला झाबुआ को अपने कार्यालय स्टाफ के साथ निर्वाचन कार्यालय एवं कलेक्ट्रेट में सतत विद्युत आपूर्ति बनाये रखने, मतदान दिवस के एक पूर्व से मतदान दिवस को सम्पूर्ण क्षेत्र में सतत विद्युत आपूर्ति करने एवं मतदान केन्द्रों पर आवश्यक विद्युत कनेक्शन प्रदाय करने का कार्य दिया गया है । मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त को अपने कार्यालय स्टाफ के साथ मतदान दलो की सम्पूर्ण व्यवस्था, मतदान केन्द्र पर भोजन व अन्य आवश्यक व्यवस्था करने का कार्य दिया गया है ।

सांप के काटने एवं कुए में डूबने से मृत्यु हो जाने पर आर्थिक सहायता स्वीकृत

माही की गूंज, झाबुआ।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर के आदेशानुसार मृतक गीता पिता सुरज सिंगाडिया निवासी ग्राम बीसलपुर तहसील मेघनगर की 17 मई 2023 को सांप के काटने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिसाना उनके पिता सूरज पिता रवजी सिंगाडिया को, मृतक सप्पा पति झापडा सिंगाडिया निवासी ग्राम कचलदरा तहसील मेघनगर की 31 जुलाई, 2023 को सांप के काटने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिसाना उनके पति झापडा पिता मगन सिंगाडिया को, मृतक विसीया पिता बदिया मेडा निवासी ग्राम उमरादरा तहसील मेघनगर की 9 सितम्बर, 2023 को सांप के काटने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिसाना उनके बच्चो तोलिया, कमिला, विलु, शांतु, राजू पिता विसीया मेडा को एवं मृतक विजू पिता दुलसिंह मेडा निवासी ग्राम गडवाडा तहसील मेघनगर की 30 मई, 2023 को कुए के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिसाना उनकी माँ फिलू पति दुलसिंह मेडा को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) की कण्डिका पांच के प्रावधानों के तहत चार-चार लाख रुपए की आर्थिक अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई।

जेम पोर्टल पर आवेदन आमंत्रण

माही की गूंज, झाबुआ।

आयुक्त सह-सचिव म.प्र. स्पेशल एंड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी के प्रदत्त निर्देशानुसार संस्था एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय थान्दला अगराल जिला झाबुआ द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 हेतु विद्यार्थियों के लिए चादर, तकिया कवर, तकिया (बिस्तर सामग्री) की आपूर्ति हेतु जेम पोर्टल पर क्रमशः बीड संख्या-जीईएम,2023,बी,4334945 त थ I जीईएम,2023,बी,4334952 पर 13 दिसम्बर 2023 से आवेदन आमंत्रित किए गए है। इस आपूर्ति हेतू पंजीकृत फर्म जो अहर्तापूर्ण करते हो आवेदन में प्रतिभाग कर सकते है। आवेदन से संबंधित समस्त विवरण, नियम व शर्तें जेम पोर्टल पर उपलब्ध है।

धीरज साहू के घर की खुदाई शुरू, करोड़ो रुपए के बाद सोना तलाश रहा आयकर विभाग

रांची, एजेंसी।

351 करोड़ रुपए का खजाना मिलने के बाद अब कांग्रेस सांसद धीरज साहू से घर पर खुदाई शुरू हो गई है। खबर है कि, आयकर विभाग अब आभूषणों की तलाश में जमीन के नीचे तक तलाश कर रहा है। साहू से जुड़े ठिकानों पर तलाशी का बुधवार को 8वां दिन है। मंगलवार को भी जांच के दौरान अधिकारियों को सोने के बिस्किट मिले थे।

आयकर विभाग को साहू के पास और भी बड़ा खजाना छिपा होने के शक है। इसके बाद अब झारखंड की राजधानी रांची के रेडियम रोड स्थित आवास पर कार्रवाई की तैयारी है। खबर है कि अधिकारियों ने घर की जांच भी शुरू कर दी है। फिलहाल, जमीन के अंदर आभूषणों का पता लगाने के लिए मशीनों की मदद भी ली जा रही है।

मिले थे सोने के बिस्किट

सोमवार को बलांगीर के एक निजी बैंक के तीन लॉकरों से भी आयकर विभाग को 40 सोने के बिस्किट, हीरे जड़े हुए सोने के जेवर और जरूरी दस्तावेज मिले थे। अधिकारियों ने बताया था कि सोमवार को शराब कारोबारी संजय साहू के बैंक लॉकर पर छापा मारा गया था। इससे तीन दिन पहले ही उनके घर से 8 करोड़ रुपये बरामद हुए थे।

176 बैग में करोड़ों रुपये

6 दिसंबर को आयकर विभाग ने साहू से जुड़े ठिकानों पर दबिश दी थी। इसके बाद हुई दिन-रात कार्रवाई के दौरान 176 बैगों में से 351 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। नकदी के लिहाज से इसे देश के इतिहास में सबसे बड़ी कार्रवाई बताया जा रहा है। नकदी गिनने में 100 से ज्यादा आयकर अधिकारी और 40 से ज्यादा मशीनों की मदद ली गई थी।

पारम्परिक शिल्पकारों और कारीगरों को सहायता राशि के लिए केन्द्रीय योजना

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रधानमंत्री द्वारा अपने हाथों और उपकरणों से काम करने वाले पारम्परिक शिल्पकारों और कारीगरों को शुरू से अंत तक सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की गई थी।

इस योजना के लिए 13 हजार करोड़ के बजट का प्रावधान निर्धारित किया गया है। जिसमें 18 व्यवसायों में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को शामिल किया गया है। बढ़ई (सुथार/बधाई), नाव निर्माता, कवच बनाने वाला, लोहार (लोहार), हथौड़ा और टूल किट निर्माता, ताला बनाने वाला, सुनार (सोनार), कुम्हार (कुम्हार), मूर्तिकार (मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाला), पत्थर तोड़ने वाला, मोची (चर्मकार)/जूता कारीगर/फुटवियर कारीगर, राजमिस्त्री (राजमिस्त्री), टोकरी/चटाई/झाडू निर्माता/कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई (नाई), माला निर्माता (मालाकार), धोबी (धोबी), दर्जी (दारजी) और मछली पकड़ने का जाल निर्माता को लाभ प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ हाथ और औज़ारों से काम करने वाला और योजना में उल्लिखित 18 परिवार-आधारित पारंपरिक व्यवसायों में से एक में असंगठित क्षेत्र में स्व-रोज़गार से जुड़ा हुआ एक कारीगर या शिल्पकार आधार पर, पीएम विश्वकर्मा के तहत पंजीकरण के लिए पात्र होंगे। पंजीकरण की तिथि पर लाभार्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। लाभार्थी को पंजीकरण की तिथि पर संबंधित व्यापार में संलग्न होना चाहिए और स्व-रोजगार, व्यवसाय विकास के लिए केंद्र सरकार या राज्य सरकार की समान क्रेडिट-आधारित योजनाओं के तहत पिछले 5 वर्षों में ऋण नहीं लिया हो, जैसे पीएमईजीपी, पीएम स्वनिधि, मुद्रा। योजना के तहत पंजीकरण और लाभ परिवार के एक सदस्य तक ही सीमित रहेगा।

शिल्पकार और कारीगरों को प्रमाण पत्र और आईडीकार्ड के जरिए पहचान प्राप्त होगी। पहले चरण में 1 लाख रु तक की और दूसरे चरण में 2 लाख रु तक की सहायता महज 5 प्रतिशत की ब्याज दर पर सहायता प्रदान की जाएगी, योजना के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण, टूलकिट लाभ, डिजिटल लेनदेन के लिए इंसेंटिव और मार्केटिंग सपोर्ट आदि का लाभ प्राप्त होगा।

महादेव सट्टेबाजी ऐप का मालिक रवि उप्पल हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी।

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के सह संस्थापक रवि उप्पल को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में लिया गया है। भारतीय एजेंसियां यूएई के अधिकारियों के संपर्क में हैं। भारत सरकार ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप सहित कई अवैध सट्टेबाजी ऐप्स और वेबसाइटों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया था। अवैध और गैरकानूनी ऐप्स बताते हुए इसको बैन कर दिया गया था।

उप्पल की जांच छत्तीसगढ़ पुलिस और मुंबई पुलिस के अलावा कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा की जा रही है। संघीय जांच एजेंसी ने अक्टूबर में छत्तीसगढ़ के रायपुर में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत के समक्ष उप्पल और इंटरनेट-आधारित प्लेटफॉर्म के एक अन्य प्रमोटर, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग आरोप पत्र दायर किया था। बाद में ईडी के अनुरोध के आधार पर इंटरपोल द्वारा एक रेड नोटिस जारी किया गया था।

एजेंसी ने आरोप पत्र में अदालत को सूचित किया था कि उप्पल ने प्रशांत महासागर में एक द्वीप देश वानुअतु का पासपोर्ट लिया है जबकि उसने भारतीय नागरिकता नहीं छोड़ी है। ईडी के अनुसार, इस मामले में अपराध की अनुमानित आय लगभग 6 करोड़ रुपये है।

रवि उप्पल को लेकर अधिकारियों ने कहा कि, ईडी की जांच से पता चला है कि महादेव ऑनलाइन बुक ऐप यूएई के एक केंद्रीय प्रधान कार्यालय से चलाया जाता है। इसमें कहा गया था कि यह अपने ज्ञात सहयोगियों को 70-30 प्रतिशत लाभ अनुपात पर ÷पैनल/शाखाओं÷ की फ्रेंचाइजी देकर संचालित होता है। जांच में कहा गया था कि सट्टेबाजी की आय को विदेशी खातों में भेजने के लिए बड़े पैमाने पर हवाला ऑपरेशन किया जाता है।

सिर्वी समाज की बिटिया प्रियांशी श्याम चौधरी ने किया नाम रोशन

माही की गूंज , पेटलावद।

नगर से सिर्वी समाज की बिटिया प्रियांशी श्याम चौधरी जिसने अपनी प्राथमिक शिक्षा सेंट मेरी स्कूल तथा आगे की शिक्षा नगर के सफलता विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल से ग्रहण कर कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) 2024 परीक्षा जो 3 दिसंबर 2023 को पूरे भारत में 139 परीक्षा केन्द्रो पर आयोजित की गई थी। कानून की इस प्रवेश परीक्षा में लगभग एक लाख से अधिक उम्मीद्वारों ने भाग लिया जिसमे प्रथम प्रयास में ही एयर (ओबीसी) 124 वी रेंक प्राप्त कर चौधरी परिवार , नगर , विद्यालय एवं सिर्वी समाज का नाम रोशन किया ।

प्रियांशी की इस सफलता पर परिवारजनो एवं मित्रों ने सोशल मीडिया के माध्यम से बहुत बधाईया प्रेषित की, इस अवसर पर सफलता स्कूल के संचालक गोपाल चौधरी ने कहा कि, छात्र और शिक्षक की मेहनत और लगन से पढ़ने का परिणाम हमेशा हमें ऊंचाई पर ले जाता है और प्रियांशी चौधरी ने यह साबित कर दिखाया। प्रियांशी चौधरी की सफलता पर उनको परिवार ,सिर्वी समाज ,इष्ट मित्रों, शिक्षा संस्थान सहित सामाजिक संस्थाओं की और से बधाइयां मिल रही है।

डाक सेवा होगी प्रभावितः ग्रामीण डाक सेवक संघ उतरा हड़ताल पर

माही की गूंज , पेटलावद।

12 दिसम्बर से अ.भा. ग्रामीण डाक सेवक संघ अपनी मांगों को लेकर अब अनिश्चित कालीन हड़ताल पर उतर गया है। डाक सेवकों की सेवा शर्तों में सुधार एवं उन्हें विभागीय दर्जा दिए जाने के लिए वर्षों से संघर्षरत हैं, जिससे नाराज डाक कर्मचारी हड़ताल पर उतर गए। डाक विभाग के विभागीय कर्मचारियों को साँतवें वेतन आयोग का लाभ दिये जाने के बाद काफी संघर्ष के बाद ग्रामीण डाक सेवकों के लिए विभाग द्वारा कमलेशचन्द्र समिति का गठन किया गया। जिसमें कर्मचारियों के हित में कुछ अच्छी शिफारिशें की लेकिन डाक विभाग ने उन्हें माना नहीं या उनमे कॉट-छाँट कर दी। ऐसी ही कुछ महत्वपूर्ण लम्बित मांगों को लेकर संगठन ने 12 दिसम्बर 2023 से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर उतर गये है। जिसमें विभाग की दूसरी यूनियन नेशनल यूनियन ग्रामीण डाक सेवक भी शामिल हैं। केन्द्रीय मुख्यालय ने 17 नवम्बर को विभाग को हड़ताल पर जाने का नोटिस दे दिया हैं। ग्रामीण डाक कर्मचारियों के हड़ताल पर उतरने से क्षेत्र की डाक व्यवस्था प्रभावित होगी, जिससे लोगो को परेशानी उठानी पड़ सकती है। अ.भा. ग्रामीण डाक सेवक संघ की ओर से हड़ताल में शामिल होने का आह्वान किया है और शाखा डाक घर का कोई भी कार्य नहीं करने की सूचना कर्मचारियों दी है।

2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा इसरो- एस सोमनाथ

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।

चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) अपने अगले कदम की तैयारी कर रही है। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मंगलवार को कहा कि इसरो 2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा। उन्होंने कहा कि हम इस योजना पर पूरी तरह से काम कर रहे हैं। इसरो प्रमुख ने देश के पहले मानवयुक्त मिशन 'गगनयान' पर काम के बारे में बताते हुए कहा कि मिशन के लिए चुने गए भारतीय वायु सेना के चार पायलट बेंगलुरु में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा में प्रशिक्षित किए जा रहे हैं।

एक विशेष लेख में उन्होंने बताया कि, इसरो का लक्ष्य गगनयान कार्यक्रम के साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में अगला कदम उठाना है। इसमें 2 से 3 भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के दल को लो अर्थ में भेजे जाने की योजना है। इसके बाद उन्हें भारतीय जलक्षेत्र में पूर्वनिर्धारित जगह पर सुरक्षित रूप से उतारा जाएगा। मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक का विकास शामिल है।

जिसमें एक मानव-रेटेड लांच वाहन (एचएलवीएम 3), एक क्रू माड्यूल (सीएम), सर्विस माड्यूल (एसएम) और मानव के रहने के अनुकूल एक आर्बिटल माड्यूल है। क्रू माड्यूल अंतरिक्ष में चालक दल के लिए पृथ्वी जैसे वातावरण वाला रहने योग्य स्थान है और इसे सुरक्षित पुनः प्रवेश के लिए डिजाइन किया गया है। सुरक्षा उपायों में आपात स्थिति के लिए क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) भी शामिल है।

परीक्षण वाहन (टीवी-डी1) की पहली विकास उड़ान 21 अक्टूबर को लांच की गई थी और इसने क्रू एस्केप सिस्टम का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। इसके बाद क्रू माड्यूल को अलग किया गया और बंगाल की खाड़ी से भारतीय नौसेना ने इसे सुरक्षित प्राप्त किया। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि इस परीक्षण उड़ान की सफलता मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए महत्वपूर्ण है।

2035 तक चालू हो सकता है भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन सोमनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक स्तर पर भारत की उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन को चालू करने और वीनस आर्बिटर मिशन और मंगल ग्रह लैंडर की विशेषता वाले अंतरग्रहीय अन्वेषण जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आने वाले वर्षों में नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेगा।

ग्राम पंचायत में उपचुनाव के तहत लगी आचार संहिता

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

पेटलावद विकासखंड की ग्राम पंचायत सारंगी में भी उपचुनाव के लिए आचार संहिता लागू हुई है। बता दे कि, वार्ड नंबर 16 की पंच श्रीमती आशा कुवर वीरभद्र सिंह राठौर के निधन होने पर यह वार्ड रिक्त हो गया था। राज्य निर्वाचन आयोग ने ग्राम पंचायत के लिए उपचुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसी के तहत वार्ड नंबर 16 में उपचुनाव होंगे इसके लिए प्रशासन ने अधिकारी, कर्मचारी को पूर्ण स्वीकृत सभी अवकाश निरस्त कर दिए हैं। बल्कि अवकाश के दिनों में भी कार्यालय खुले रहेंगे। हालांकि इस बार आचार संहिता का इतना व्यापक असर नहीं रहेगा। आचार संहिता के नियम सिर्फ जहां चुनाव हो रहे हैं वहीं पर लागू रहेंगे।

निम्न प्रकार से रहेगा पंचायत उपचुनाव का कार्यक्रम

15 से 22 दिसंबर तक प्रत्याशी नामांकन फार्म ले सकेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 23 दिसंबर को होगी , नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 दिसंबर रहेगी। इसी दिन सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे। 5 जनवरी 2024 को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। 9 जनवरी को मतगणना करके परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। उपरोक्त जानकारी ग्राम पंचायत सचिव हरिराम भूरिया द्वारा दी गई।

8 लैन पर नाले मे पड़ी कार से जप्तशुदा डोडाचूरा का हुआ खुलासा

माही की गूंज, जावरा।

19 नवम्बर को थाना नामली पर सूचना प्राप्त हुई की 8 लाईन के चंदौड़िया नाले मे एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर पड़ी हुई। पुलिस द्वारा घटना स्थल से ब्रेजा कार क्रमांक जीजे 09 बी डी 7406 को नाले से निकाला गया। कार को चैक करने पर उसमे 6 बोरो मे डोडाचुरा पानी मे गीला होकर भरे पाये गये। उक्त कार एवं डोडाचुरा जप्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध थाना नामली पर अप.क्र.449, धारा 8/15 एन.डी.पी.एस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । प्रकरण की त्वरीत कार्यवाही करने हेतू अग्रीम विवेचना निरी.प्रिती कटारे द्वारा विवेचना के दौरान जप्तशुदा कार के संबंध मे जानकारी प्राप्त करने पर कार देवीसिंह उर्फ देवु पिता चंदनसिंह नि.बांधा गंगासरा थाना सेड़वा जिला बाडमेरा की होना पाया गई। जिसे गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा आरोपी से पुछताछ करते उक्त डोडाचुरा भवानीसिंह पिता प्रेमसिंह नि.ग्राम मुदड़ी जिला मंदसौर से डोडाचुरा लाना बताया। आरोपी भवानीसिंह पिता प्रेमसिंह उम्र 54 साल मुंदड़ी थाना वायडी नगर जिला मंदसौर को गिरफ्तार किया जाकर उक्त डोडाचुरा के संबंध मे पुछताछ करते बताया की मेरे पिता जी के नाम से अफीम का पट्टा है, मैने मेरे पिता जी लकवे की बीमारी से पीड़ित हे, मैने मेरे पिता जी से छुपा कर डोडाचुरा रखा था जो आरोपी देवीसिंह को दिया था। आरोपी देवीसिंह का पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर आरोपी द्वारा घटना दिनांक को उपयोग किया गया वाहन के दस्तावेज उसके निवास स्थान बाडमेर से जप्त किया जाना शेंष होकर विवेचना जारी है।

भंगार व्यापारी की आइसर हुई चोरी, टोल नाके से होकर निकले बदमाश

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर में पुलिस की व्यवस्था के क्या आलम है इस वारदात से पता चल जाता है। जब भंगार के एक व्यापारी की आइसर ट्रक अज्ञात बदमाश रातों रात गायब कर देते हैं। मामला नगर पेटलावद का जहा पेटलावद नया बस स्टेण्ड भंगार व्यापारी ने बताया कि में बामनिया रोड रहता हूँ। कबाडी का काम करता हूँ मेरे पिता बुद्दीलाल पिता गोबा कहार निवासी पेटलावद के नाम से रजिस्टर्ड आयशर 1095 प्रो क्रमांक एमपी 09 जीएच 1870 है जो रोजाना थांदला रोड अग्रवाल तोल कांटे के सामने खड़ी रहती है। सोमवार को सुबह 10 बजे मेरी उक्त आयशर थांदला रोड अग्रवाल तोल काटे के सामने खड़ी कर लॉक लगा रखा था। प्रातः 5 बजे उठकर मैं थांदला रोड अग्रवाल तोल कांटे के सामने गया वहा देखा तो मेरी गाडी नही दिखी तो फिर मैंने मेरे पिता बुद्धीलाल कहार को बताई फिर हमने आसपास तलास की परन्तु कोई पता नही चला। मेरी आयशर में जीपीएस लगा था जो रात को करीबन 2.36 बजे बंद हो गया। वाहन की कीमत 5 लाख रुपये बताई जा रही। जिसे अज्ञात बदमाश चुराकर ले गए।

चोरों को किसी प्रकार का कोई ख़ौफ़ नही दिखा ओर टोल नाके पर लगे कैमरों के सामने से वाहन चुरा कर ले गए। वाहन मालिक ने बताया कि, चोरी गई आयशर की तलाश किया तो थांदला-पेटलावद रोड पर उन्नई में स्थित टोल नाके पर मेरी आयशर गाडी निकली, उसके बाद कहां गई पता नही चला। पुलिस थाना पेटलावद में वाहन चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई हैं।

पड़ोसी जिले में लड़की की तलाश में गई पुलिस टीम पर ग्रामीणो ने किया हमला

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद थाना क्षेत्र से लापता हुई लड़की की तलाश में पड़ोसी जिले धार के बदनावर थाना क्षेत्र में गई तो पुलिस पर कुछ लोगो ने अचानक हमला कर दिया। मामला मंगलवार रात करीब 8 बजे का बताया जा रहा है। जब पेटलावद पुलिस बदनावर थाना क्षेत्र में ग्राम पंचायत मुलथान के ग्राम रायनपाड़ा गई थी लेकिन पुलिस टीम पर अचानक गांव वालों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों के हमले में पेटलावद थाने का एक हेड कॉन्स्टेबल के घायल होने की सूचना है, हमले में पुलिस के साथ गए अन्य लोग घायल हो गए। उन्हें काफी चोट आई। सूचना मिलने पर बदनावर पुलिस एवं डायल 100 मौके पर पहुंचे। घायलों व अन्य लोगों को बदनावर अस्पताल लाया गया। इस सिलसिले में प्रधान आरक्षक साबिर मोहम्मद पिता बाबू खान की रिपोर्ट पर सुनील पिता रमेश सिंगार, संदीप पिता राधेश्याम, सोनू पिता राधेश्याम, कान्हा पिता मुन्नालाल मुनिया, वीरम पिता लक्ष्मण कटारिया सभी निवासी रायनपाड़ा व अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

पेटलावद थाना प्रभारी राजूसिंह बघेल ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि, लड़की की गुमशुदगी के मामले में पेटलावद पुलिस गई थी जिस पर ग्रामीणों ने हमला किया मामले मे बदनावर थाने में प्रकरण बना है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने बाल विवाह रोका

माही की गूंज, झाबुआ।

विकासखण्ड थांदला अन्तर्गत ग्राम चापानेर के खोरी फलिया में 12 दिसम्बर, मंगलवार को बाल विवाह होने की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसके बाद सहायक संचालक बालूसिंह सस्तिया के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास थांदला की टीम तत्काल पहुची। बामनिया चौकी से समन्वय स्थापित कर पुलिस टीम के साथ चापानेर के खोरी फलिया में पहुँची, जहाँ विवाह संबंधित कार्यक्रम किया जा रहा था। वहा पर लगातार एक घण्टे तक परिवार एवं समाज से चर्चा की गई। साथ ही बाल विवाह अधिनियम के संबंध में समझाया गया कि, बाल विवाह किये जाने पर माता-पिता को दो वर्ष की सजा, एक लाख का आर्थिक दण्ड एवं सहयोगी तडवी, पटेल, हलवाई एवं पंचनामे पर जवाबदारी लिये जाने वाले समाज जनों आदि पर भी कानुनी कार्यवाही का प्रावधान किया गया है।

समझाईश के पश्चात परिवार एवं समाज के वरिष्ठजनों ने तय किया कि, यह शादी रोकी जा रही है और बालिका की उम्र 18 वर्ष होने के पश्चात सगाई एवं विवाह कार्यक्रम किया जाएगा। इस संबंध में समाजजनो से जवाबदारी लिये जाने के पश्चात टीम वहा से रवाना हुई।

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन किया जाता है। ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

योगेश कुमार गोयल

संपादकीय

जनता को चौंकाते नए मुख्यमंत्री

हिंदी हृदय प्रदेश के तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने जैसे सबको चौंकाया, कमोबेश उसी तरह इन तीन भाजपा के बहुमत वाले राज्यों में मुख्यमंत्रियों के चयन ने भी चौंकाया। कहने को तो दलील दी जाती रही है कि, विधायकों की बैठक में फैसला लिया जाएगा, लेकिन इनकी घोषणाओं में हुआ विलंब इशारा करता है कि आलाकमान ने नामों को अंतिम रूप देने में खासी मशक्कत की है। बहरहाल, तमाम कयासों व संभावनाओं को दरकिनार करते हुए छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश व राजस्थान में ऐसे नामों पर मुख्यमंत्री होने की मोहर लगी जो कहीं चर्चा में नहीं थे। दरअसल, इस तरह चौंकाना भाजपा सुप्रीमो व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आदत रही है। हरियाणा में मनोहर लाल, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, असम में हिमंत बिस्वा सरमा और उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाते समय भी कुछ इस तरह चौंकाया गया था। बहरहाल, कई दिन की प्रतीक्षा के बाद मुख्यमंत्री का दायित्व जिन नेताओं को सौंपा गया है, उन्हें पीढ़ी के बदलाव के तौर पर भी देखा जा रहा है। निस्संदेह, नये लोगों को मौका मिलने से नया उत्साह होता है और नई उम्मीदें भी। बहरहाल, भाजपा की दूरगामी रणनीति इन चेहरों के चयनों से जाहिर होती है। कहीं न कहीं, बिहार से जाति गणना, आरक्षण और वंचित वर्ग को नेतृत्व देना का जो शोर उठा था, उसे भांपकर भाजपा ने अपना घर ठीक करने की रणनीति को अंजाम दे दिया। छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता के रूप में विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। राज्य में वंचित समाज की सत्ता में भागीदारी के साथ झारखंड व ओडिशा को भी ध्यान में रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में आदिवासी मतदाता हैं। वहीं मध्यप्रदेश में संघ की पृष्ठभूमि के वे मोहन यादव मुख्यमंत्री बने, जिनकी इस पद के लिये कोई चर्चा नहीं थी। हालांकि, भाजपा को रिकॉर्ड जीत दिलाने में भूमिका निभाने वाले शिवराज चौहान को भी मुख्यमंत्री पद का बड़ा दावेदार माना जा रहा था।

नि:संदेह, बिहार व यूपी में यादव वर्चस्व की राजनीति को टक्कर देने के लिये मोहन यादव की ताजपोशी को एक तुरुप के पत्ते की तरह देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में मुख्यमंत्री के रूप में अप्रत्याशित रूप से भजनलाल शर्मा का चयन किया गया। राजस्थान में सांगानेर विधानसभा से पहली बार चुने गये भजनलाल भारतीय जनता पार्टी में प्रदेश संगठन मंत्री रहे हैं। एक तरफ जहां दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे सिंधिया की ताजपोशी को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे थे, उनकी तरफ से आलाकमान पर दबाव बनाने की कोशिशें भी नजर आई थीं। लेकिन बाजी अमित शाह के करीब माने जाने वाले भजन लाल शर्मा ने मारी। वहीं राज्य में अन्य समीकरणों को साधने के लिये राजवंश से जुड़ी रही दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा को भजनलाल कैबिनेट में उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री पद की दौड़ में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सीपी जोशी, स्पीकर ओम प्रकाश बिरला और महंत बालकनाथ के नाम उछलते रहे। बहरहाल, तीन राज्यों में आदिवासी, ओबीसी व ब्राह्मण मुख्यमंत्रियों की ताजपोशी राजनीति में सर्वसमावेशिता की नीति का ही विस्तार है। पार्टी ने धीरे से एक पीढ़ी का नेतृत्व परिवर्तन करके नये लोगों के लिये नई उम्मीदें जगाई हैं। नि:संदेह, इन नेताओं की ताजपोशी के केंद्र में 2024 का महासमर ही है। संदेश देने का प्रयास किया गया है कि सबका साथ, सबका विकास पार्टी का लक्ष्य है और उसे हकीकत में तब्दील करने के लिये पार्टी प्रतिबद्ध है। पार्टी ने दिखा दिया है कि राजस्थान व मध्यप्रदेश में युवाओं को सत्ता सौंपने के जिस प्रयास में राहुल गांधी सफल न हो सके, भाजपा ने उसे खामोशी से अंजाम दे दिया। यदि वे समय रहते कर पाते तो ज्योतिरादित्य सिंधिया व सचिन पायलट के नेतृत्व में इन राज्यों की तस्वीर अलग हो सकती थी। बहरहाल, तमाम पुराने मुख्यमंत्रियों व राजनेताओं की उछल-कूद के बावजूद भाजपा आलाकमान ने यह ठोस पहल करके बता दिया है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व सक्षम व पूरी तरह निर्णायक ही है।

ज़ख़्म सहलाती कांग्रेस के आत्ममंथल का वक्त

हेमंत पाल

तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी सदमे में है। पार्टी की सबसे बुरी हार मध्य प्रदेश में हुई, जहां उसकी सत्ता में वापसी को लेकर कोई शंका नहीं थी। ताजपोशी की पूरी तैयारी हो चुकी थी, कि अचानक भाजपा की सुनामी आ गई। जितनी सीटें भाजपा को मिलीं, वो अनपेक्षित-सा आंकड़ा है। कांग्रेस को परेशानी इसलिए है, कि उसे प्रतिद्वंद्वी की ऐसी जीत की उम्मीद कतई नहीं थी। उसे अनुमान था कि मुकाबला कांटाजोड़ जरूर है, पर कांग्रेस बाजी मारकर सरकार बनाने लायक बहुमत पा लेगी। लेकिन, जो हुआ उसने प्रदेश नेतृत्व को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया। अब हार के कारण तलाशने के लिए मंथन हो रहा है। देखा जाए तो इसका कोई मतलब नहीं रह गया, जो होना था वो हो चुका। अब आने वाले पांच साल तक भाजपा ही मध्य प्रदेश की सत्ता में रहेगी और कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में!

कमलनाथ पिछले 6 साल से मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। पार्टी की तरफ से वे ही मुख्यमंत्री का चेहरा भी थे। लेकिन, चुनाव नतीजों ने भाजपा को अव्वल साबित कर दिया। उसे 163 सीटें मिलीं और कांग्रेस मात्र 66 सीट पर सिमटकर रह गई। इस चुनाव में भाजपा को पिछले चुनाव के मुकाबले 57 सीटों का फ़ायदा हुआ। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, सागर, दमोह और खंडवा जैसे शहरी क्षेत्रों में जिस तरह कांग्रेस की हार हुई, वो सबसे ज्यादा चिंता की बात है। इन शहरों में पार्टी का पूरी तरह सफाया हो गया। जहां तक हार के कारणों का सवाल है, तो कमलनाथ का सॉफ्ट हिंदुत्व का चुनावी प्रयोग पूरी तरह असफल रहा। कांग्रेस पर भाजपा ने हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया, जिसका जवाब देने के लिए कमलनाथ ने धार्मिक आयोजनों पर ध्यान दिया। हनुमान जयंती पर पार्टी दफ्तर में ही पूजा-पाठ करवाया गया। पार्टी में 'धार्मिक और उत्सव प्रकोष्ठ' के गठन के साथ धार्मिक कार्यक्रम करवाए गए। लेकिन, इससे हिंदुओं में पकड़ नहीं बनी, उल्टा मुस्लिम वोटर नाराज हो गए।

यदि कांग्रेस की हार के कारणों की चीरफाड़ की जाए, तो कई ऐसे कारण सामने आएंगे, जो भाजपा की जीत को सही साबित करते हैं। कांग्रेस की हार के कारणों में उम्रदराज कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की बड़ी भूमिका रही। कमलनाथ भले 6 साल से प्रदेश अध्यक्ष हों, पर वे जन नेता नहीं हैं। वे रणनीति बना सकते हैं, पर उसे अमल कैसे किया जाए, ये वे नहीं जानते। उनमें एक कमजोरी संपर्क की भी है। पार्टी के कार्यकर्ता तो छोड़ विधायकों तक को उनसे मिलने से पहले कई औपचारिकताएं निभानी पड़ती हैं। यही कारण है कि उन्हें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के बजाय कार्पोरेट कंपनी का मैनेजर ज्यादा कहा जाता है। निश्चित रूप से चुनाव में उनकी

ये आदत पार्टी के लिए मुश्किल बनी है। ये उनकी संगठनात्मक खामी ही मानी जाएगी कि वे कांग्रेस को उस हालत में ले आए, जहां से उसके आगे बढ़ने की सारी संभावना ही ख़त्म हो गई। यही स्थिति दिग्विजय सिंह की भी है, वे पार्टी कार्यकर्ताओं पर गुर्राते ज्यादा दिखाई दिए। इन दोनों नेताओं की वजह से पार्टी में नई लीडरशिप को आगे आने का मौका नहीं मिला। इस बार ज्यादातर युवा नेता चुनाव हार गए, जिसके बाद भविष्य की संभावना भी ख़त्म हो गई।

मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत उतना मायने नहीं रखती, जितनी कि कांग्रेस की हार। भाजपा के जीत में लाड़ली बहना, सनातन का मुद्दा, सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारना और प्रधानमंत्री मोदी की 'गारंटी' सहित कई कारण गिनाए जा सकते हैं। लेकिन, कांग्रेस की हार का केवल एक ही कारण नजर आ रहा है कि प्रदेश में पार्टी का नेतृत्व बूढ़ा, निस्तेज और अड़ियल रहा। युवा नेताओं को चुनाव अभियान में शामिल नहीं किया गया। थके, चूके और बूढ़े नेताओं ने कांग्रेस की लगाम नहीं छोड़ी। उम्मीदवारों की घोषणा से लगाकर चुनाव प्रक्रिया और प्रचार रणनीति तक ऐसे नेताओं के हाथ में रही, जिन्हें अब सक्रिय राजनीति से रिटायर हो जाना चाहिए था।

कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे पुराने नेता मध्य प्रदेश में कोई चमत्कार कर सकेंगे, यह सोचना कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की बड़ी भूल थी। कांग्रेस ने 2018 में इस सोच को बदल लिया होता तो, आज ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसा युवा नेतृत्व उनसे दूर नहीं जाता। जिस भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव में जनता अस्वीकार कर चुकी थी, वो फिर सत्ता में नहीं आती। इसके बावजूद केंद्रीय नेतृत्व ने कोई सबक नहीं सीखा और कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के हाथ में सारा दारोमदार सौंपकर जीत के दावे किए जाने लगे। पूरे चुनाव अभियान में दोनों नेताओं के बीच सामंजस्य का भी साफ़ अभाव दिखाई देता रहा। यहां तक कि सार्वजनिक मंच पर भी दोनों में खींचतान हुई। इसका नतीजा ये हुआ कि मतदाताओं ने इन्हें नकार दिया।

कांग्रेस और भाजपा की चुनावी रणनीति में मूल अंतर चुनाव लड़ने का है। भाजपा जहां उम्मीदवारों की घोषणा से मतदान तक उनके साथ खड़ी रहती है। कांग्रेस टिकट देकर उन्हें अकेला छोड़ देती है। ये हर बार देखा गया और इस बार भी इसमें कोई सुधार नहीं देखा गया। उम्मीदवारों की घोषणा के बाद पार्टी के संगठन ने चुनाव लड़ने में कहीं उनका साथ नहीं दिया। यहां तक कि जहां पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ विद्रोह हुआ, वहां भी संगठन ने ध्यान नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि जहां कांग्रेस की जीत लगभग तय मानी जा रही थी, वहां भी उसकी लुटिया डूब गई। ये सीधे-सीधे कांग्रेस संगठन की खामी ही मानी जाएगी कि वो पार्टी को एकजुट नहीं कर सकी।

प्रदेश में कांग्रेस के दो ही नेता हैं दिग्विजय सिंह और कमलनाथ। लेकिन, इन दोनों की रणनीति और सारी चुनावी तैयारी भाजपा के सामने धरी रह गई। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि दोनों की उम्र अब चुनावी राजनीति करने की नहीं रही। लेकिन, दोनों ही इसे स्वीकारने को तैयार नहीं। उनकी इस ज़िद की वजह से प्रदेश का युवा नेतृत्व उभर नहीं सका। इस चुनाव में कई ऐसे युवा नेता चुनाव हार गए, जिनकी जीत से नई संभावना की उम्मीद की गई थी। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जीतू पटवारी की राजनीतिक वाकपटुता के सभी कायल हैं। लेकिन, इस बार वे अपने कौशल को जीत में नहीं बदल सके। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव अब युवा नहीं रहे। यही स्थिति अर्जुन सिंह के बेटे राहुल सिंह की भी है।

दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह को पार्टी में सबसे ज्यादा संभावनाशील नेता माना जाता है। वे पिछला चुनाव बड़े अंतर से जीते थे, पर इस बार उन्हें जीतने में भी मुश्किल हो गई। लोकसभा चुनाव की नजदीकी को देखते हुए अब कांग्रेस के पास नया नेतृत्व खड़ा करने का समय नहीं बचा। संभावनाशील आदिवासी युवाओं में उमंग सिंगार और हनी बघेल को भी किनारे नहीं किया जा सकता। इन दोनों ने लगातार जीत दर्ज करके साबित किया कि उनमें भी दम है। लेकिन, वे अभी तक नेतृत्व की आंख में नहीं आए। अभी कांग्रेस के खाते में लोकसभा की 29 में से सिर्फ एक सीट है। केंद्रीय नेतृत्व भी असहाय है, कि वो कुछ नहीं कर सकता। विधानसभा चुनाव में भाजपा के सामने कांग्रेस की जो गत हुई, इसमें बहुत ज्यादा सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

देसी परिवेश में हो डेस्टिनेशन वेडिंग

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में कहा कि देश के संपन्न वर्ग के लोगों के बीच 'डेस्टिनेशन वेडिंग' के लिए विदेश जाना चलन बन गया है। ऐसे में यदि शादी के उत्सव को भारत की धरती पर, भारत के लोगों के बीच मनाएंगे, तो देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए खरीदारी करते समय भी सभी को केवल भारत में बने उत्पादों को ही महत्व देना चाहिए।

गौरतलब है कि देश में इस समय विवाह समारोहों के आयोजन यानी वेडिंग से जुड़ा कारोबार करीब 5 लाख करोड़ रुपये का है। इस वेडिंग कारोबार में 15-17 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी भी हो रही है। चूंकि शादी को कुछ खास अंदाज में करने के लिए देश के बाहर डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन अब मध्यवर्गीय परिवारों में भी देखा जा रहा है। खासतौर से कोरोना काल के बाद युवा विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। ऐसे में वेड इन इंडिया आंदोलन को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाकर भारत के वेडिंग कारोबार और इसमें रोजगार को नई ऊंचाइयां दी जा सकती हैं।

देश के अमीर वर्ग के लोग देश में ही डेस्टिनेशन वेडिंग को अपनाएं तथा दूसरी ओर विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग भी भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग की ओर आकर्षित हों, तो इसके लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। जिस तरह विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जो तैयारी होती है, उससे कम मूल्य में और गुणवत्तापूर्ण ढंग से वे तैयारियां बहुत कुछ भारत में भी हैं। भारत में भी शिक्षित-प्रशिक्षित वेडिंग प्लानर

उपलब्ध है। वेडिंग प्लानर वेडिंग के आयोजकों के साथ मिलकर न सिर्फ विवाह समारोह के लिए आयोजन की पूरी प्लानिंग करता है वरन्? उस योजना को खास रूपरेखा प्रदान कर अंतिम रूप भी देता है। इनके द्वारा डेस्टिनेशन वेडिंग से लेकर शादी की विभिन्न रस्मों की आकर्षक थीम और लजीज खानपान की व्यवस्था को खूबसूरत अंजाम दिया जाता हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के तहत शादी के निमंत्रण पत्र की डिजाइनिंग से लेकर, गिफ्ट पैकिंग और वेन्यू तय करने से लेकर बारात का स्वागत करने तक का सारा भार अलग-अलग वेडिंग कारोबार के विशेषज्ञों द्वारा पूरा होता है। आजकल लोगों के पास समय की बहुत कमी है और उनकी महत्वाकांक्षाएं बहुत ज्यादा होती हैं। आज हर कोई बिना तनाव एवं परेशानी के बेहतरीन वैवाहिक व्यवस्था करना चाहता है। ये सारी ऐसी व्यवस्थाएं हैं, जो भारतीय वेडिंग प्लानर द्वारा कुशलतापूर्वक पूरी की जा रही हैं और इससे विवाह में शामिल होने वाले मेहमानों के चेहरे पर भी खुशियां बनी रहती हैं।

विवाह समारोह वर्तमान समय में सामाजिक संस्कार के साथ-साथ व्यक्ति की प्रतिष्ठा का भी पर्याय बन गया है। साथ ही वर्तमान में विवाह से जुड़ी प्रत्येक चीज ट्रेंडी या विशिष्ट हो गई है। लेकिन परंपरा को बनाए रखने की चाह भी नहीं मिटी है, ऐसे में यदि भारत में संस्कार और संस्कृति के मूल्यों के साथ डेस्टिनेशन वेडिंग के अभियान को आगे बढ़ाया जाए तो संपन्न वर्ग के लोगों में विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग की बढ़ती हुई संख्या को सीमित किया जा सकता है।

निःसंदेह, भारतीयों का विदेशों में विवाह आयोजनों का तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू वेडिंग उद्योग के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्राकोष को घटाने वाला भी है। ऐसे में सरकार और देश के वेडिंग आयोजनों से जुड़े निजी सेक्टर को रणनीतिक रूप से ध्यान देना होगा कि इस समय देश के जो वेडिंग डेस्टिनेशन आकर्षक बने हुए हैं, उन्हें और उपयुक्त बनाकर संपन्न वर्ग को लुभाया जाए।

जयंतीलाल भंडारी

सरकार को ध्यान देना होगा कि देश में जो चमकीले अनोखेपन वाले पर्यटन केंद्र हैं, उनके आसपास वर्तमान वेडिंग डेस्टिनेशन को विकसित किया जाए और नए वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए बुनियादी ढांचे की सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए। ज्ञातव्य है कि भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से लोगों को आकर्षित करती रही हैं। भारत एक ऐसा देश है, जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट-रेखा और रेत का रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं। इन क्षेत्रों के नजदीक वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वेडिंग सोच के साथ आकार दिया जाना होगा। वेडिंग डेस्टिनेशन सेक्टर को अधिक जीवंत बनाने के लिए ऐसी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा।

क्या सचमुच हम राम राज की और बढ़ रहे है...?

देश बदल रहा है। दुनिया बदल रही है। दुनिया आगे बढ़ रही है लेकिन हम पीछे लौट रहे है। हम राम-राज की और बढ़ रहे हैं। भाजपा ये पुण्य कार्य कर रही है। कांग्रेस का अता-पता नहीं है। गोदी का मीडिया बता रहा है कि कैसे मोदी ने मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जातीय अंकगणित के हिसाब से मुख्यमंत्री बनाकर आने वाले लोकसभा चुनाव में हिंदी पट्टी से लोकसभा की 250 सीटें जीतने का पुख्ता इंतजाम कर लिया है?

मोदी मैजिक से देश ही नहीं उनकी अपनी पार्टी के लोग हैरान है। मोदी जी ने पूरी पार्टी को अनुशासन की छड़ी से ऐसा नियंत्रित किया है कि अब कोई केशूभाई या उमा भारती बनने की हिम्मत नहीं कर पा रहा। मोदी जी ने राजनाथ से लेकर बंसुन्धरा राजे तक को नाथ लिया है, आप कह सकते हैं कि अनाथ कर दिया है। शिवराज तो जैसे अपनी जुबान ही कटा बैठे हैं। मोदी जिसके ऊपर हाथ रख रहे हैं वो रातों-रात मुख्यमंत्री बन रहा है और जिसके ऊपर कुपित हो जाएँ उसकी मिटटी पलीद हो रही है। लेकिन देश राम आज की और आगे बढ़ रहा है। देश को राम राज कि और ले जाने के लिए कुछ तो निर्मम होना ही पड़ता है।

एक जमाना था जब देश को उत्तरप्रदेश दिशा और नेतृत्व देता था। एक ज़माना है कि देश को दिशा और नेतृत्व गुजरात दे रहा है। पूरा देश गुजरात का आभारी है। वैसे भी देश के ऊपर गुजरात के अनेक ऋण हैं। महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल से लेकर अमित शाह तक गुजरात की मिटटी से जन्मे है। गुजरात ने ही सबसे पहले राम राज की टेर लगाईं थी। महात्मा गांधी राम-राम कहते हुए राम के धाम को चले गए लेकिन देश में राम राज नहीं आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी महात्मा गांधी के इस सपने को साकार कर रहे हैं। लोगों को सपने दिखने और अपने सपने साकार करने में मोदी जी का कोई जोड़ नहीं है।

मोदी जी और उनकी टीम को लोकसभा कोई 250 सीटों को साधने के लिए तीन राज्यों में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री तय करने में 9 दिन का समय लगा। मंथन में समय तो लगता ही है। भाजपा कोई कांग्रेस थोड़े ही है जो आनन-फानन में सब कुछ कर ले और दूर की न सोचे। कांग्रेस में दूरदृष्टि तो केवल श्रीमती इंदिरा गांधी के पास ही थी। बाद में कांग्रेस की दूरदृष्टि शायद धुंधला गयी और इसलिए कांग्रेस अपने भविष्य पर छायी धुंध को छंट नहीं पा रही है। कांग्रेस के पुण्य-प्रताप ही हैं जो उसे जीवित बनाये हुए हैं अन्यथा मोदी मैजिक में तो उसे समूल नष्ट हो जाना चाहिए था।

गोदी मीडिया के पंडित कहते हैं कि मोदी के जाती गणित ने न केवल मप्र,राजस्थान और छत्तीसगढ़ को बल्कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश ओडिशा और बिहार तक को साध लिया है। कांग्रेस में है इतनी कूबत? कांग्रेस मप्र,राजस्थान और छत्तीसगढ़ को नहीं साध पायी। कांग्रेस को शायद नहीं पता कि- रहीम जी ने क्या कहा था? रहीम ने कहा था कि- एकहि साधे सब सधे, सब साधे सध जाये, रहिमन मूलहिं सींचिबो, फूलै फलै अघाय, कांग्रेस अपनी मूल को शायद सींच नहीं पा रही, जबकि भाजपा ने अपनी मूल काटकर नयी जड़ें विकसित कर ली हैं। इन जड़ों में न अटल बिहारी हैं और न

लालकृष्ण आडवाणी। ये जड़ें मोदी और शाह की जड़ें हैं।

आपको बता दूँ कि भाजपा 2024 के आम चुनाव में एक नया कीर्तिमान रचने के लिए लालायित ही नहीं है बल्कि उसने इसकी तैयारी भी कि है। वैसे भी भाजपा कीर्तिमान रचने में सिद्धहस्त है। भाजपा ने सरजू तट पर दिए जलाने के दो-दो कीर्तिमान पहले ही रच दिखाए हैं भाजपा के अनुराग ठाकुर की मानें तो भाजपा अबकी संसद की 303 नहीं बल्कि पूरी 400 सीटें जीतेगी। राम राज की स्थापना के लिए कम से कम 400 सीटें तो लगेंगीं। 303 सीटों में तो केवल धारा 370 हट सकती थी, तीन तलाक क़ानून बन सकता था, नारी शक्ति वंदन क़ानून बनाया जा सकता था, रामलला के लिए मंदिर निर्माण कराया जा सकता था, सो करा लिया गया है। कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है। कांग्रेस कभी लक्ष्य बनाकर काम करती ही नहीं है। कांग्रेस का लक्ष्य अलक्ष्य है। कांग्रेस को पता है कि- हुईए वही जो राम रचि रखा तो कोई तर्क करके क्यों साखा बढ़ाये?

भाजपा ने देश के राष्ट्रपति पद पर श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को पहुंचकर आदिवासी भूल प्रदेशों में सत्ता हासिल कर ली। अब छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा देशभर के आदिवासियों के वोट बटोरेगी। मप्र में यादव जी को मुख्यमंत्री बनाकर उसे यूपी और बिहार के दूधियों के वोट चाहिए। राजस्थान में पहली बार के विधायक भजनलाल पंडित जी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा पूरे देश के पंडितों के वोट हासिल करना चाहती है, और इसमें बुरा है भी क्या? जिन खोजा तिन पाइया, घर पानी पैठ। कांग्रेस में कोई मोदी जी की तरह कवायद करता ही नहीं है। कांग्रेस में हिम्मत है भाजपा कि तरह जोखिम लेने की! राजस्थान जैसे सूबे में पहली बार के विधायक भजनलाल यदि न चले तो क्या होगा? लेकिन भाजपा ने जोखिम लिया है और उसे इसका फल मिलेगा। अंग्रेजी वाले कहते हैं न- नो रिस्क, नो गेन। कांग्रेस जोखिम लेने से डरती है। एक डरी हुई पार्टी से देश क्या उम्मीद कर सकता है?

राकेश अचल

कांग्रेस अभी हार के गम से उबर नहीं पायी है और भाजपा ने राज्य सभा में केंचुआ में आयुक्त की नियुक्ति के लिए नया विधेयक को पारित भी करा लिया। इस विधेयक के जरिये केंचुआ को और बड़ा केंचुआ बनाने की योजना है। विपक्ष चीखता-चिल्लाता रह गया ,लेकिन विधेयक पारित हो गया ,ठीक उसी तरह जिस तरह से लोकसभा में महुआ मोइत्रा की सदस्ता रद्द किये जाने का प्रस्ताव पारित हो गया था। आज की स्थिति ये है कि समूचा विपक्ष सरकार के किसी काम को रोक नहीं सकत। संसद में उसकी ताकत सीमित है और सड़क पर कांग्रेस को छोड़ कोई भी राजनीतिक दल संसद केमुद्दों को लेकर उतरने की स्थिति में है नहीं। इसलिए देश में राम राज तो आकर मानेगा। आप भी इसके लिए आरती सजाकर तैयार रहिये।

मेडिकल कॉलेज के डीन और स्टॉफ के बीच हुआ विवाद

डीन पर लगाए शराब पीकर अभद्रता के आरोप, एसोसिएशन ने काम बंद कर हड़ताल पर जाने की दी चेतावनी

माही की गूंज, रतलाम।

विवादों से सुर्खियों में रहने वाले रतलाम के मेडिकल कॉलेज में मंगलवार की रात फिर जमकर हंगामा हुआ। इस बार मरीज और परिजन का स्टॉफ से नहीं बल्कि डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता और मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) अध्यक्ष डॉ. प्रवीणसिंह बघेल के बीच मारपीट हुई है। एमटीए अध्यक्ष उनके घर अपने साथियों के साथ चर्चा करने गए। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ और नौबत मारपीट तक पहुंच गई। दोनों ही पक्षों के बीच मारपीट का यह मामला थाने पहुंच गया। थाने पर एक पक्ष की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर ली गई जबकि दूसरे का आवेदन लिया गया है। डीन से नाराज डॉक्टरों ने थाना परिसर में ही डीन को हटाने की मांग करते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी की। इधर मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) अध्यक्ष डॉ. बघेल ने डीन डॉ. गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाते हुए बुधवार से स्टॉफ के साथ हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। उनकी मांग है कि जब तक डीन डॉ. गुप्ता को नही हटाया जाएगा, उनकी हड़ताल जारी रहेगी।

यह है पूरा मामला

हंगामे के प्रत्यक्ष दर्शियों की मानें तो कॉलेज के ही एसोसिएट डॉ. राहुल मैड़ा की पत्नी की मंगलवार को सीजर से डिलीवरी हुई। डॉ. होने के नाते अन्य डॉक्टरों ने उनके लिए प्राइवेट वार्ड में व्यवस्था की। इसी बात को लेकर डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने आपत्ति लेते हुए उन्हें दूसरे वार्ड में ले जाकर रखने को कहा। मामला उस समय तूल पकड़ गया जब डॉ. मैड़ा प्रसूता पत्नी को मेडिकल कॉलेज से निजी अस्पताल लेकर चले गए। इससे एमटीए के सदस्यों के बीच नाराजगी हुई और एमटीए अध्यक्ष डॉ. प्रवीणसिंह बघेल अपने कुछ साथी डॉक्टरों के साथ डीन डॉ. गुप्ता से मिलने उनके निवास पहुंच गए। यहीं पर दोनों के बीच विवाद, झूमाझटकी और मारपीट हो गई।

दोनों पक्षों ने लगाए एकदूदूसरे पर आरोप

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता और दूसरे पक्ष के डॉ. प्रवीणसिंह बघेल ने अपने साथ मारपीट का आरोप लगाया। दोनों अपने-अपने समर्थकों के साथ औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने पहुंचे। थाने में भी दोनों पक्ष अलग-अलग गुट बनाकर खड़े रहे। डॉ. बघेल के पक्ष के डॉक्टरों ने थाना परिसर में ही डीन के खिलाफ नारेबाजी कर उन्हें हटाने की बात कही। डॉक्टरों का कहना था कि ऐसा डीन नहीं चाहिए।दिनों पक्षो का मेडिकल कॉलेज से निकल कर थाने पहुँच गया जहां दोनों पक्षो ने एक दूसरे के विरुद्ध आवेदन दिया है। पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही हैं।

नामांतरण के नाम पर महिला पटवारी वसूल रही थी रिश्वत

लोकायुक्त ने रंगे हाथों पकड़ा

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के आलोट में पदस्थ एक महिला पटवारी को लोकायुक्त पुलिस ने एक व्यक्ति से भूमि के नामांतरण के लिए 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। लोकायुक्त उज्जैन से मिली जानकारी के अनुसार आलोट के ग्राम आनन्दगढ निवासी किसान भारत सिंह चौहान को अपनी भूमि का नामांतरण करवाना था। इसके लिए उनसे तहसील कार्यालय में आवेदन दिया था। आलोट के पटवारी हल्का न. 27 में पदस्थ महिला पटवारी प्रियंका सोनी ने नामांतरण के लिए भारत सिंह से आठ हजार रुपए रिश्वत देने की मांग की। आवेदक ने इस बात की शिकायत लोकायुक्त एसपी अनिल विश्वकर्मा को की थी। लोकायुक्त पुलिस ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद योजना बनाई और भारत सिंह को विशेष रसायन लगे रिश्वत के नोट लेकर प्रियंका सोनी को देने भेजा।प्रियंका सोनी ने आवेदक भारत सिंह को आलोट के कारगिल चौराहे पर बुलाया था। लोकायुक्त पुलिस के ट्रैपकर्ता अधिकारी निरीक्षक डॉ. बसन्त श्रीवास्तव ने पूर्व योजनानुसार भारत सिंह को रिश्वत की रकम लेकर कारगिल चौराहे पर भेजा। जैसे ही भारत सिंह ने भ्रष्ट महिला पटवारी को रिश्वत की रकम सौंपी, लोकायुक्त पुलिस ने दल ने भ्रष्ट पटवारी को पकड लिया। महिला पटवारी के हाथ विशेष रसायन से धुलवाए जाने पर उसके हाथ रंग गए। लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्ट पटवारी प्रियंका सोनी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। लोकायुक्त पुलिस की इस कार्यवाही में निरीक्षक बसन्त श्रीवास्तव के अलावा, विशाल रेश्मिया, इसरार, महेंद्र जाटवा, संजय पटेल, और 2 महिला आरक्षक शामिल थे।

लहसुन के दाम फिर 24 हजार रुपए के पार, आवक भी जोरदार

माही की गूंज, मंदसौर।

लहसुन के दामों से किसान बेहद खुश है। मंदसौर मंडी में लहसुन के दाम फिर 25 हजार के करीब पहुंच गए है। इसके साथ ही आवक भी जोरदार बनी हुई है। एक सप्ताह में लहसुन के दामों में 1500 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है।इसके साथ ही गेहूं के दाम भी किसानों को लगातार 3 हजार पार ही मिल रहे है।

मंदसौर की लहसुन की मांग तेज है। इसी के चलते करीब डेढ़ माह से लहसुन के दाम किसानों को बेहतर मिल रहे है। मंगलवार को मंडी में लहसुन के उच्चतम भाव 24 हजार 500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए, जबकि ढाई पहले लहसुन के दाम 15 हजार रुपये तक ही किसानों को मिल रहे थे। नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में भी लहसुन के दाम 24 हजार तक पहुंच गए थे। इसके बाद दिसंबर के पहले सप्ताह में लहसुन के दमों में गिरावट हुई।

6 दिसंबर को मंदसौर मंडी में लहसुन के उच्चतम भाव 23 हजार रुपये प्रति क्विंटल थे। इसके बाद से ही दामों में तेजी है और एक सप्ताह में लहसुन के दाम बढ़कर 12 दिसंबर को 24 हजार 500 पर पहुंच गए। व्यापारियों के अनुसार मंदसौर की लहसुन की राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश सहित अन्य राज्यों में मांग तेज है। मंदसौर के साथ ही पिपलियामंडी और दलौदा मंडी में लहसुन के दाम किसानों को बेहतर मिल रहे है।

अच्छे दाम से किसान खुश

लहसुन की मांग अधिक होने दामों में उछाल आ रहा है। लहसुन के दाम अच्छे मिलने से किसान खुश हैं। किसानों का कहना है कि लहसुन के अच्छे दाम मिले यहींउम्मीद रहती है। मंडी में विगत कुछ दिनों से लहसुन के दाम बहुत अच्छे है। इन दामों से लागत भी निकल रही है और लाभ भी मिल रहा है। मंगलवार को मंडी में कुल 12 हजार कट्टे लहसुन की आवक हुई। लहसुन के दाम न्यूनतम 5000 से 24 हजार 500 रुपये प्रति क्विंटल तक किसानों को मिले।

गेहूं के दाम भी 3 हजार पार

लहसुन के दामों के साथ ही मंडी में किसान गेहूं के दामों से भी खुश है। मंडी में गेहूं के दाम तीन हजार पार तक पहुंच गए है। करीब एक माह से गेहूं का अधिकतम भाव 3 हजार के पार है। मंगलवार को मंडी में 1 हजार 889 बोरी गेहूं की आवक रही। किसानों को 2 हजार 418 से 3036 रुपये प्रति क्विंटल तक गेहूं के दाम मिले। इसके साथ ही सोयाबीन की आवक 6700 बोरी एवं प्याज की आवक 11 हजार कट्टे रही।

सेल्फी के चक्कर में तालाब में फिसली युवती, सहेली ने बाहर निकाला

माही की गूंज, मंदसौर।

तेलिया तालाब पिकनिक स्पाट पर पहुंची एक युवती तालाब के किनारे पर खड़े होकर सेल्फी लेने के चक्कर में तालाब में फिसल गई। तालाब किनारे पर काई होने से युवती फिसलकर करीब दो-तीन फिट तक तक तालाब में चली गई, इस दौरान साथ में आई सहेली ने उसका हाथ पकड़कर बाहर निकाला। जिस जगह युवती फिसली वहां पर तालाब में गहरा पानी है, ऐसे में सेल्फी के चक्कर में कभी यहां अनहोनी हो सकती है।

मंदसौर के तेलिया तालाब पिकनिक स्पाट पर सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने के कारण लोग यहां स्वयं की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। कई लोग यहां सेल्फी लेने के लिये तालाब के किनारे तो कभी तालाब के बीच में पत्थरों तक पहुंच जाते है। तालाब भरा हुआ है। इसके बावजूद लोग तालाब के किनारे पर सेल्फी ले रहे है। एक बड़ी अनहोनी होते-होते टल गई।

दो युवतियां तालाब पर पहुंची थी। वे पिकनिक स्पाट पर घूमती-घूमती सेल्फी लेने के लिये तालाब के किनारे पर पहुंच गई, इस दौरान एक युवती का तालाब किनारे काई से पैर फिसल गया और वह तालाब में फिसल गई, गनीमत यह रही की युवती तालाब में आगे तक नहीं गिरी, यहां गहरा पानी है। साथ में आई सहेली ने युवती को एक हाथ से पकड़ा और बाहर निकाल लिया।

टला बड़ा रेल हादसा...! ट्रेन से अचानक निकलने लगा धुआं, मची अफरा-तफरी

माही की गूंज, मंदसौर।

भीलवाड़ा से इंदौर जाने वाली ट्रेन के पावर में अचानक धुआं निकालने से अफरा-तफरी मच गई, हालांकि समय रहते पावर को ट्रेन से अलग किया गया और एक बड़ा हादसा होते- होते टल गया। इस हादसे की वजह से ट्रेन लगभग तीन घंटे तक मंदसौर स्टेशन पर खड़ी रही और यात्री परेशान होते रहे बाद में दूसरा इंजन बुलवाकर ट्रेन को रवाना किया गया।

ऐसे हुआ हादसा

डेमू ट्रेन के पावर के एक्सेल से अचानक धुआं निकलने लगा था, धुआं निकलते देख लोगों में अफरातफरी मच गई, लोग भगदड़ मचाने लगे, तुरंत फायर बिग्रेड को सूचना दी गई, सूचना के बाद तत्काल पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर काबू पाया। आग किस वजह से लगी इसकी जांच की जाएगी। आग लगने के बाद ट्रेन के पावर को अलग किया गया और दूसरा इंजन मंगवाकर ट्रेन को रवाना किया गया।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

बता दें कि इसके पहले भी मध्य प्रदेश में रेल हादसे हो चुके हैं। बीते जून में जबलपुर के शहपुरा भिटौनी इलाके में गैस फैक्ट्री के अंदर रैक खाली करने जा रही एक मालगाड़ी डिरेल हो गई थी। एलपीजी से भरी मालगाड़ी के 2 बोगी पटरी से उतर गए थे हालांकि, बड़ा हादसा नहीं हुआ। इसके अलावा इस मालगाड़ी के डिरेल होने से मुख्य लाइन का संचलन प्रभावित नहीं हुआ था। मेन लाइन में ट्रेनों की आवाजाही सामान्य रही। ऐसे में एक बड़ा हादसा होते- होते टल गया।

इसके अलावा सितंबर महीने में रतलाम मंडल में भी ट्रेन हादसा हुआ था। बता दें कि, निजामुद्दीन से मिराज जाने वाली दर्शन एक्सप्रेस का इंजन पटरी से उतर गया था, हालांकि कि गनीमत रही की हादसे में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई, इस हादसे की वजह से कई ट्रेनें भी प्रभावित थी।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री का गुलाना मंडल के नेतृत्व में किया स्वागत

माही की गूंज, शाजापुर। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ वर्तमान तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान द्वारा जैसे ही डॉक्टर मोहन यादव के नाम लिया वैसे ही सभी मौजूद विधानसभा में विधायक चौंक गए। जहां प्रस्तावक तौर पर शिवराज सिंह चौहान ने डॉक्टर मोहन यादव का नाम मध्य प्रदेश में विधायक दल के नेता के रूप में लिया गया और सभी ने हर्ष स्वीकार किया। जैसे ही यहां समाचार माध्यम के साथ कार्यकर्ताओं को पता चला वैसे ही हर्ष के लहर छा गई। जहां भाजपा गुलाना मंडल अध्यक्ष सूरज सिसोदिया, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रकाश मेवाड़ा का नेतृत्व में तत्काल भोपाल दर्जन कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. मोहन यादव को बधाई देने निकल पड़े। वहां भोपाल पहुंचकर नव नियुक्त मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई फूल माला पहन कर दी गई। इस अवसर पर भाजपा नमामि प्रकोष्ठ जिला सहसंयोजक हेमंत मेवाड़ा, लखन आचार्य, रवि मेवाड़ा, धर्मेंद्र राजपूत, भगवान सिंह मेवाडा, रोहित चिंगारी, आनंद मेवाड़ा, किशोर राजगुरु, अमर सिंह मेवाडा, कमल सिंह, रोशन मेवाड़ा, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया जाएगा श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव

माही की गूंज, शाजापुर।

गत वर्ष से शहर में शुरु हुए श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव का आयोजन इस वर्ष भी धूमधाम से किया जाएगा। महोत्सव को लेकर तैयारिया शुरु हो चुकी है। इस संबंध में बैठक आयोजित कर आयोजन को अंतिम रुप दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि, मध्यप्रदेश के ओरछा में श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव भव्य स्वरुप में मनाया जाता है उसी तर्ज पर गत वर्ष से शाजापुर में भी श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव परम्परा की शुरुआत हुई है। गत वर्ष शहर में आयोजित हुए महोत्सव में बडी संख्या में लोग सम्मिलित हुए थे और आयोजन को सराहना मिली थी।

किला परिसर से निकलेगी श्रीराम बारात

श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव के संयोजक मनीष सोनी ने इस संबंध मे बताया कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी किला परिसर से प्रभु श्रीराम की भव्य बारात विवाह पंचमी पर 17 दिसम्बर रविवार को सांयकाल 4 बजे प्रभु श्रीराम की महाआरती के बाद आरंभ होगी। जो किलारोड, छोटा चैक, आजाद चैक, नई सडक, नागनागिन मार्ग, सोमवारिया, कंस चैराहा, श्री बालवीर हनुमान मंदिर मार्ग से होती हुई चित्रगुप्त मार्ग स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर पहुंचेगी। जहां श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव सम्पन्न होगा। शासन के प्रतिनिधी, जिला प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधी, सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक बडी संख्या में आयोजन में सम्मिलित रहेगें।

विधि विधान से सम्पन्न होगा श्रीराम जानकी विवाह

आयोजन समिती के संरक्षक लक्ष्मण प्रसाद दुबे, किला परिसर स्थित श्रीराम मंदिर के पूजारी रवि शर्मा और चित्रगुप्त मार्ग स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर के पूजारी पं. नीरज दुबे ने बताया कि, विवाह महोत्सव की शुरुआत 16 दिसम्बर शनिवार को श्रीगणेश पूजन से होगी। हल्दी मेहंदी अन्य सभी मांगलिक रितियों का भी आयोजन होगा। सभी रस्मों के बाद 17 दिसम्बर को भव्य श्रीराम बारात निकाली जाएगी।

समिती का हुआ गठन

जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी रोहित विश्वकर्मा ने बताया कि, श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव के लिए चित्रगुप्त मार्ग स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर में बैठक आयोजित कर आयोजन समिती का विस्तार किया गया। समिती में सचिव-दुष्यंत सोनी, कोषाध्यक्ष-ललित कुम्भकार, सहकोषाध्यक्ष-दिनेश शर्मा, सहसंयोजक-ललित पालीवाल, संजय राठौर, गौरव शर्मा, संजय उदासी, अजय चंदेल, उपाध्यक्ष-मनोज गवली, किरण दवे, गौरव सोनी, जलज ठाकुर, अजय शर्मा, सहसचिव-संदीप गोस्वामी, नीरज द्विवेदी, सारांश शर्मा, रितिक देवतवाल, शोभायात्रा प्रमुख-शरद मिश्रा, शोभायात्रा सहप्रमुख-बालकृष्ण पांचाल, प्रचार प्रसार प्रमुख-चेतन शर्मा, अंकित पवैया, शरद शर्मा, शुभम यादव, मंयक प्रजापति, व्यवस्था प्रमुख-अजय राठौर, दीपक प्रजापति, अनमोल वैष्णव, रजत चैहान, यश पांचाल किशन गोस्वामी, अर्जुन पांचाल मनोनित किए गए। आयोजन हेतु महिला मंडल का गठन भी किया गया।

महिला मंडल में श्रीमती अलका दुबे, श्रीमती सीमा शर्मा, श्रीमती अंजू कुम्भकार, प्रीति जादम, अनुराधा मेहता, अंकिता गुप्ता, अलका शर्मा, चिन्तामणी शर्मा, अनुराधा दवे, किरण सोनी, रेखा राठौर, आशा सोनी, चंद्रकला चैहान, अनुराधा शार्मा, ललिता बाई, प्रेमलता सुश्री आयूषी शर्मा, वेदिका सोनी सहित अन्य सभी को सम्मिलित किया गया।

शिक्षक अपने दायित्वों को निभाने में नही बरते कोताही- कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा ही महत्वपूर्ण होती हैं। शिक्षक शाला में बच्चों को जो भी सीखाते एवं पढ़ाते है, विद्यार्थी उसे यादकर जीवन की हर परीक्षा में भाग लेता है। अतः शिक्षक अपने दायित्वों को समझे एवं नियमित रूप से शाला आकर बच्चों को पढ़ाये। क्योकि अच्छी पढ़ाई से ही अच्छे परिणाम प्राप्त होते है, और परिणाम पर ही बच्चों का भविष्य टीका होता है।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने उक्त बाते बुधवार को विकासखण्ड पाटी के ग्राम चौकी की शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल का निरीक्षण के दौरान उपस्थित शिक्षकों से कही। इस दौरान कलेक्टर ने शाला में शिक्षकों के अनुपस्थित मिलने एवं कक्षा 12वीं की परीक्षा होने के कारण अन्य कक्षाओं के बच्चों को शाला में नही बुलाने पर घोर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य सहित उपस्थित समस्त शिक्षकों को सख्त लहजे में चेताया कि वे अपने कार्यप्रणाली सुधार ले, अन्यथा अगर शाला का परीक्षा परिणाम खराब आता है तो समस्त शिक्षकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही प्राचार्य को निर्देशित किया कि शाला के समस्त शिक्षक नियमित रूप से शाला आये एवं किसी भी शाला के शिक्षक को किसी भी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नही किया जाये।

बोकराटा में शिक्षकों से की चर्चा

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बोकराटा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने शिक्षकों से चर्चा करते हुए जाना कि 6 फरवरी 2024 से होने वाली कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बच्चों की वार्षिक परीक्षा के लिए वे किस प्रकार से बच्चों को तैयारियां करवा रहे है। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि शिक्षक बच्चों के ग्रुप बनाकर उनकी पढ़ाई समूह में करवाये। साथ ही राज्य शिक्षा केन्द्र से जो ब्लू प्रिंट आया है, उसके अनुसार बच्चों को तैयारी करवाते हुए विगत वर्षो के प्रश्न पत्रों को हल करवाते हुए बताया जाये कि किस प्रकार से प्रश्न आते है एवं उनका उत्तर कैसे देना है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पाटी का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पाटी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में पढ़ाई कर रहे बच्चों से उनकी पढ़ाई एवं शिक्षकों तथा छात्रावास की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थी नियमित पढ़ाई करे, जो भी सवाल पढ़ाई के दौरान मन में आये उसे बेझिझक होकर शिक्षक से पूछे। अगर गणित विषय पढ़ रहे है तो उसमें सवाल को कापी में लिखकर हल करे, विज्ञान विषय में डायग्राम एवं फार्मूलों को भी लिखकर प्रेक्टिस करने से आसान हो जाते है।

विद्यार्थी जीवन बहुत महत्वपूर्ण होता है, यही से उनका आगे का जीवन निर्धारित होता है। अतः माता-पिता ने उन्हे घर से दूर पढ़ने के लिए भेजा है तो विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई पर फोकस करे एवं अपने माता-पिता परिवार का नाम रोशन करे।

भोजन की गुणवत्ता का किया परीक्षण

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पाटी के निरीक्षण के पश्चात् कलेक्टर ने परिसर में ही बने बालक एवं बालिका छात्रावास का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने दोनों छात्रावासों की भोजन शाला में जाकर राशन सामग्री एवं व्यवस्थाओ को परीक्षण करते हुए वहां पर बने हुए भोजन की गुणवत्ता का भी परीक्षण स्वयं चखकर किया। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विद्यार्थियों को शासन द्वारा निर्धारित मीनू अनुसार ही भोजन दिया जाये। साथ ही आहार में सलाद एवं पौष्टिक वस्तुओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाये।

निरीक्षण के दौरान तहसीलदार पाटी भूपेन्द्र भिड़े, बीईओ पाटी श्रीमती राजश्री पंवार सहित संस्था के प्राचार्य खांन उपस्थित थे।

विधायक की जीत के लिए ग्रामीण ने नंगे पैर रहकर मांगी मन्नत

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्य प्रदेश में चुनावी नतीजे आए एक हफ्ते से भी ज्यादा का समय हो चुका है, लेकिन अभी भी चुनावी शर्तों और मन्नतों का दौर जारी है। ऐसा ही एक मामला प्रदेश के बड़वानी जिले के सेंधवा से आया है। जहां जय सिंह नाम के युवक ने कांग्रेस प्रत्याशी मोंटू सोलंकी की जीत के लिए मन्नत मांगी थी।

दरअसल, सेंधवा क्षेत्र के आमलिया पानी गांव में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। क्षेत्र में आजादी के बाद से जितने भी विधायक बने, किसी ने भी ग्रामीणों की समस्या का समाधान नहीं किया। जिसके बाद जय सिंह को उम्मीद थी कि इस बार के कांग्रेस प्रत्याशी मोंटू सोलंकी चुनाव जीतने के बाद गांव के लिए अच्छा काम करेंगे और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

मन्नत के लिए नंगे पैर रहने का किया फैसला

कांग्रेस प्रत्याशी की जीत के लिए युवक ने चुनाव के समय चप्पल पहनना छोड़ दिया। जय सिंह ने मन्नत मांगी थी कि कांग्रेस प्रत्याशी मोंटू सोलंकी की जीत के बाद ही वह चप्पल पहनेगा। जय सिंह को चप्पल छोड़े हुए एक महीने से भी ज्यादा का समय हो चुका है। अब युवक चाहता है कि नवनिर्वाचित विधायक मोंटू सोलंकी जिस दिन बिजासन मंदिर में दर्शन के लिए आएंगे, उसी दिन से वह चप्पल पहनेगा।

युवक को कांग्रेस विधायक से है उम्मीद

जय सिंह ने बताया कि, आमलिया पानी के ग्रामीण आजादी के बाद से मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। किसी व्यक्ति के बीमार होने पर मरीज को झोली में डालकर तीन किमी दूर एबी रोड तक ले जाना पड़ता है। आजादी के बाद से अभी तक जितने विधायक बने वो हमारे गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा सके हैं। उन्हें उम्मीद है कि नवनिर्वाचित विधायक सोलंकी उनकी तकलीफ और दर्द को समझकर गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन, 38 पंच और दो सरपंचों के होंगे चुनाव

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत जिले में भी 38 पंच तथा दो सरपंच के पद के लिए उप निर्वाचन होना है।पंचायतों में उप निर्वाचन को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इस दौरान चुनाव को लेकर रूपरेखा बन रही है।

ऐसी रहेगी निर्वाचन प्रक्रिया

मध्य प्रदेशमें 15 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन, सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन तथा मतदान केंद्रों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 22 दिसंबर की अपराह्न तीन बजे तक नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख रहेगी। 23 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा, 26 दिसंबर को अपराह्न तीन बजे तक नाम वापस लेने की अंतिम तिथि तथा अभ्यर्थिता से नाम वापसी के ठीक बाद निर्वाचन प्रतीक चिन्हों का आवंटन, 5 जनवरी 2024 को सुबह सात बजे से अपराह्न तीन बजे तक मतदान, 5 जनवरी को ही मतदान समाप्ति के पश्चात् पंच पद की मतदान केंद्रों पर ही मतगणना, 9 जनवरी 2024 को सुबह 8 बजे से सरपंच पद की मतगणना विकासखंड मुख्यालय पर, 11 जनवरी को पंच पद के निर्वाचन परिणाम की घोषणा की जाएगी।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए रिटर्निंग, सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

बड़वानी कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डा. राहुल फटिंग ने त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन की कार्रवाई को सुचारू रूप से निर्वहन करने के लिए रिटर्निंग, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति की है। नियुक्त किए गए रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई समय अनुसूचित कार्यक्रम के अनुसार समय सीमा में निर्वाचन की कार्रवाई को संपन्न कराएंगे।

निर्वाचन कार्यालय के अनुसार विकासखंड ठीकरी में एक सरपंच, 15 पंच पद के लिए तहसीलदार ठीकरी को रिटर्निंग अधिकारी, नायब तहसीलदार अरविंद पाराशर को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, विकासखंड सेंधवा में एक सरपंच पद के लिए तहसीलदार सेंधवा मनीष पांडे को रिटर्निंग अधिकारी तथा तहसीलदार वरला संतोष कोठारी को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, विकासखंड पाटी में एक पंच पद के लिए तहसीलदार पाटी भूपेन्द्र भिड़े को रिटर्निंग अधिकारी तथा नायब तहसीलदार बड़वानी बाबूसिंह निनामा को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, विकासखंड राजपुर में 22 पंच पद के लिए तहसीलदार राजपुर गणपतसिंह डावर को रिटर्निंग अधिकारी तथा नायब तहसीलदार श्रीराम कासड़े को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्रहितग्राहियों को लाभ दिलायेगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

माही की गूंज, खरगोन।

केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने और नवाचारी योजनाओं से देश में हुए विकास से आम लोगों को परिचित कराने के लिये मध्यप्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू हो रही है।

यह यात्रा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में से गुजरेगी और केन्द्रीय योजनाओं से वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित करवायेगी। मध्यप्रदेश में कृषि और ग्रामीण विकास विभाग की यात्रा में अहम भूमिका रहेगी। खरगोन जिले में यह यात्रा 16 दिसंबर 2023 से प्रारंभ होगी और 26 जनवरी 2024 को इसका समापन होगा। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में इस यात्रा के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रमुख उद्देश्य

कलेक्टर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि, केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच बनाना जो किन्हीं कारणों से इन योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गये हैं। केन्द्र की योजनाओं के संबंध में जानकारी का प्रसार करना तथा नागरिकों और लाभार्थिलयों से योजनाओं के संबंध उनके अनुभव जानना है। विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रतिदिन दो ग्राम पंचायतों पर पहुंचेगी, यदि कहीं ग्राम पंचायतों की संख्या अधिक है तो दो से अधिक ग्राम पंचायतों पर भी यात्रा की गतिविधियां संपन्न कराने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके लिये ग्राम पंचायत स्तर पर भी जन-जागरूकता की गतिविधियॉ संचालित की जायेगी जिसमें जागरूकता, सामुदायिक, सांस्कृतिक गतिविधियॉ शामिल हैं। इसके अलावा सूचना-शिक्षा-संचार वेन, आईटी प्लेटफार्म, और मोबाइल एप्लीकेशन भी उपयोग में लाये जायेंगे। राज्य सरकार, जिला, ग्राम पंचायत और स्थानीय शासन की समिति और केन्द्र सरकार के संगठन और संस्थाओं से प्लानिंग, समन्वय और निगरानी की जायेगी।

शीत-लहर के प्रभाव से बचने के लिए बरते सावधानी

माही की गूंज, खरगोन।

शीत लहर का प्रभाव प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीनों में होता है और कभी-कभी विस्तारित शीत लहर की घटनाएं नवंबर से फरवरी तक होती है। शीत लहर, बारीश, कोहरा आदि देश के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मौसम संबंधी खतरों के रूप में उभरे है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार वैश्विक तापमान में विभिन्न मौसमों के दौरान काफी भिन्नताएं सामने आ रही है ओर उसका भी पर्यावरण, स्वास्थ्य, कृषि, पशुधन, आजीविका, सामाजिक-अर्थव्यवस्था और अन्य संबद्ध क्षेत्रों पर विपरित प्रभाव होता है। वर्तमान मे शीत ऋतु में शीत-घात (शीत लहर) की वजह से अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें उत्पन्न हो सकती है। इन समस्याओं को समय से पूर्व बचाव कर लिया जायें तो इस प्राकृतिक विपदा का सामना किया जा सकता है।

सर्दी के मौसम में जब ठंडी हवाएं तेजी से चलने लगती है, तापमान में तेजी से गिरावट होने लगती है, तब इस स्थिति को शीत लहर कहते है, आसान शब्दों में कहा जा सकता है कि सर्दी के मौसम में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से लेकर 04-05 डिग्री नीचे चला जाता है तो इसे शीतलहर कहा जाता है।

ये ले सलाह

स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो, टी.वी. एवं समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया द्वारा जारी जानकारी का अनुसरण करें, पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े पहने, नियमित रूप से गर्म पेय पीते रहे, शीत लहर के समय विभिन्न प्रकार की बीमारियों की संभावना अधिक बढ़ जाती है, जैसे फ्लू, सर्दी, खांसी एवं जुकाम आदि के लक्षण हो जाने पर चिकित्सक से संपर्क करें। कम तापमान के लक्षण जैसे-सामान्य से कम शरीर का तापमान, न रूकने वाली कपकपी, याददास्त चले जाना, बेहोशी या मूर्छा की अवस्था का होना, जबान का लड़खडाना आदि प्रकट होने पर चिकित्सक से संपर्ककर उपचार प्राप्त करें।

शीत लहर के समय क्या करें ?

पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े जैसे- दस्ताने, टोपी, मफलर, एवं जूते आदि- पहने, शीतलहर के समय चुस्त कपड़े ना पहने यह रक्त संचार को कम करते है, इसलिये हल्के ढीले-ढालें एवं सूती कपड़े बाहर की तरफ एवं ऊनी कपड़े अंदर की तरफ पहने, शीत लहर के समय जितना संभव हो सके घर के अंदर ही रहें और कोशिश करें कि अतिआवश्यक हो, तो ही बाहर यात्रा करें। पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त भोजन ग्रहण करें एवं शरीर की प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं एवं नियमित रूप से गर्म तरह पदार्थ अवश्य पीयें, आवश्यकतानुसार अनुसार रूम हीटर का उपयोग करें एवं रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध अत्यधिक ठंड पड़ने से प्रभावित शरीर के हिस्से पर मालिश ना करें, इससे अधिक नुकसान पड़ सकता है। शीत लहर में अधिक ठंड के लम्बे समय तक सम्पर्क में रहने से त्वचा कठोर एवं सुन्न कर सकती है। शरीर के अंगो जैसे- हाथ-पैर की उंगलियों, नाक एवं कान में लाल फफोले हो सकते है। शरीर के भाग के मृत हो जाने पर त्वचा का लाल रंग बदलकर काला हो सकता है। यह बहुत खतरनाक है और गैंग्रीन रोग कहा जाता है। इसके लिए तत्काल चिकित्सक से परामर्श ले।

संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता संपन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी में बुधवार को सीधी संभाग स्तरीय, अंतर महाविद्यालयीन महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के आदेश के परिपालन में शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के हॉकी हॉकी ग्राउंड में संस्था के प्राचार्य डॉ. दिनेश वर्मा एवं क्रीड़ा अधिकारी हरीश वर्मा के निर्देशन में क्रीड़ा समिति के सदस्यों की सक्रिय भूमिका से आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रणजीत सिंह मेवाडे के द्वारा किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एडवोकेट अरविंद उपाध्याय एवं विशेष अतिथि के रूप में डॉ.अभिषेक शर्मा उपस्थित थे। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की चयन समिति के सदस्य रूप में डॉ. फ्रांसिस पीटर, डॉ. रफीक खान डॉ मुकेश सोलंकी डॉ अनुराग हार्डिया उपस्थित रहे। उक्त जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के आयोजन में रेफरी के तौर पर विजय चौहान भावेश मालवीय, रामजय चौहान छात्रों के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेबाकी के साथ... सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में: रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में: सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

हैंडलूम पर पहली बार बनाई संत कबीर की छवि

माही की गूंज, खरगोन।

महेश्वर किले एवं देवी अहिल्या बाई की छवि को हैंडलूम द्वारा पहली बार संत कबीर बुनकर अवार्ड से पुरस्कृत मास्टर बुनकर मो. आरीफ खान द्वारा उकेरा गया। महेश्वर नर्मदा तट पर बस हुआ एक प्राचीन धार्मिक स्थान है, जो अपने सुरम्य घाट, नर्मदा नदी, मंदिरों एवं किले के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के मंदिर एवं घाट में पत्थरों पर उत्कीर्ण सुन्दर कला कृतियाँ संस्कृति, सभ्यता के परिचय के साथ ही हैंडलूम इंडस्ट्री के लिए भी डिजाईन हेतु प्रेरणा का कार्य करती है। महेश्वर की हैंडलूम इंडस्ट्री एवं हथकरघा पर बुनी हुई साड़ीयां विश्व प्रसिद्ध है। महेश्वर के परंपरागत बुनकर 17 वीं शताब्दी से सुन्दर डिजाईन में साड़ी, पगड़ी, गमछा, शाल, ड्रेस मटेरियल एवं कपडे बुनते आ रहे है।

महेश्वर की इसी परम्परा को अनवरत रखते हुए यहाँ के बुनकर लगातार नए नए प्रयोग हैंडलूम में करते रहते है। इसी तारतम्य में महेश्वर के संत कबीर अवार्ड से पुरस्कृत मास्टर बुनकर मोहम्मद आरीफ खान ने अभिनव प्रयोग करते हुए हथकरघे पर महेश्वरी हैंडलूम इंडस्ट्री के इतिहास में पहली बार महेश्वर किले एवं देवी अहिल्या बाई की छवि को वाल हैंगिंग में उकेरा है।

मोहम्मद आरीफ खान एक परंपरागत बुनकर है जो विगत 20 वर्षों से बुनाई कर रहे है। वे निरंतर नया काम करने के इच्छुक रहते है एवं नई डिजाईनों को हथकरघे के माध्यम से विभिन्न उत्पादों जैसे साड़ी, दुपट्टा, वाल हैंगिंग आदि पर उतारने को चुनौती की तरह लेते है।

इस वाल हैंगिंग में मो. आरीफ खान ने लाल रंग के 2/120 नंबर के मर्सराइज्ड कॉटन का उपयोग ताने एवं बाने में किया है। मीनाकारी के लिए पीले रंग के धागे का उपयोग किया गया है जिसको हाथ से एक एक करके बुना गया है। इस वाल हैंगिंग के ग्राफ को बनाने में 3 महीने का समय लगा है एवं बुनाई में 15 दिन का समय लगा है। इस खुबसूरत वाल हैंगिंग का साइज़ 24 इंच लम्बाई एवं 12 इंच चौड़ाई है।

मो. आरीफ खान को उनकी लगातार नई डिजाईन पर कार्य करने की वजह से मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने संत कबीर बुनकर अवार्ड से 2017-18 में सम्मनित किया है। मो. आरीफ खान लगातार नए नए प्रयोग करके महेश्वरी हैंडलूम इंडस्ट्री को विभिन्न तरह के उत्पाद देने के लिए कृतसंकल्पित है। उनका मानना यह है कि महेश्वर में सिर्फ साड़ी एवं ड्रेस मटेरियल का ही उत्पादन हो रहा है जबकि यहाँ प्रोडक्ट डायवर्सिफिकेशन के लिए असीम संभावना है।

इस तरह केडिजाईन एवं प्रोडक्ट डायवर्सिफिकेशन के लिए मो. आरीफ खान को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के प्रोजेक्ट हैण्ड मेड इन इंडिया (एचएमआई) महेश्वर ऑफिस द्वारा मार्गदर्शन एवं हैण्ड होल्डिंग सपोर्ट मिला है. वे ईडीआईआई-एचएमआई प्रोजेक्ट से वर्ष 2019 से जुड़े है एवं यहाँ से विभिन्न प्रशिक्षण जैसे डिजिटल मार्केटिंग, एक्सपोज़र विजिट, सॉफ्ट स्किल, कैपेसिटी बिल्डिंग, प्रोडक्टिविटी इम्प्रूवमेंट आदि के कार्यक्रम में निरंतर सम्मिलित होते रहे है। जिससे उन्हें नए नए आईडिया पर कार्य करने हेतु मार्गदर्शन एवं सहायता मिलती है।

शिक्षण संस्था को बाइक स्टैंड बनाया, कोई रोकने वाला नहीं वाहन चालकों की मनमानी

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र में दो पहिया, चार पहिया वाहन जो कि अधिकांश कोरोना काल में तब खरीदे गए थे जब क्षेत्र में यातायात पर प्रतिबंध था, उसी का नतीजा है कि सड़क पर यह वाहन सर्वाधिक दौड़ते नजर आते हैं। जब यह वाहन ग्रामीण क्षेत्र से कस्बा या शहरी क्षेत्र में आते हैं तब इनको खड़े रखने की समस्या आती है। ऐसी स्थिति में वाहन चालक सुरक्षित स्थान की तलाश करते हैं तथा वाहन खड़ा कर देते हैं।

आम्बुआ कस्बा तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों दो पहिया चार पहिया वाहनों (बाइक जीप आदि) की भरमार है। इन वाहनों से ग्रामीण हाट बाजार के लिए कस्बे में आते हैं सैकड़ो की संख्या में जब यह वाहन आते हैं तब इन्हें खड़ा करने की समस्या आती है। अधिकांश दो पहिया वाहन बस स्टैंड के समीप प्राथमिक कन्या, बालक विद्यालय प्रांगण में खड़े कर देते हैं यहां यह सुरक्षित मानते हैं। मगर इनके खड़े रहने आदि से छोटे छोटे बच्चे असुरक्षित हो जाते हैं, खेलते समय बच्चे कई बार मोटरसाइकिल के पास चले जाते हैं उन पर चढ़ने का प्रयास करते हैं जिससे वाहन गिर जाने का भय बना रहता है। बाइक चालक जब उन्हें वापस लाते ले जाते हैं तब बच्चे अचानक सामने आ जाने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसी संस्था में आधार केंद्र संचालित होने से ग्रामीण तथा अन्य लोग बाइक लेकर आते हैं तथा प्रांगण में खड़ी कर देते हैं जिन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। यदि शिक्षक कुछ कहते हैं तो वाहन चालक विवाद करने की कोशिश करते हैं मजबूरन वे भी चुप्पी साधे बैठे हैं दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं। स्कूल का गेट हमेशा खुला रहने के कारण दो पहिया वाहन सीधे अंदर तक आ जाते हैं। पालकों की मांग है कि, वाहन स्कूल प्रांगण के बाहर खड़े किए जाएं।

मामले में मुकाम सिंह डुडवे प्रधानाध्यापक आम्बुआ का कहना है कि, दरवाजा टूटा है किसी को माना करो तो झगड़ा करते हैं आधार केंद्र के मान से भी बाइक वाले आते हैं।

बोरवेल ने ली एक और मासूम की जान, खेलते-खेलते हुआ था हादसा

माही की गूंज, जोबट।

जिले के जोबट क्षेत्र में बोरवेल ने एक और मासूम की जान ले ली। अलीराजपुर में बोरवेल में गिरे बच्चे को 3 घंटे चले रेस्क्यू के पश्चात् बाहर निकाल लिया गया। तत्पश्चात, उसे चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्राम खंडाला डावरी फलिया गांव में 5 वर्षीय विजय पिता दिनेश गिर मंगलवार को शाम को अचानक बोरिंग में गिर गया था।

मासूम खुले बोरवेल के पास खेल रहा था। इसी के चलते दुर्घटना हो गई। विजय के पिता दिनेश ने तुरंत इसकी खबर गांव वालों को दी। तत्पश्चात, पुलिस को खबर दी गई। खबर प्राप्त होते ही अलीराजपुर कलेक्टर डॉ। अभय बेडेकर व एसपी राजेश व्यास सहित एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची तथा बचाव कार्य आरम्भ कर मासूम को बोरवेल से निकाल लिया। खबर प्राप्त होते ही कुछ जेसीबी एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। सभी लोग अपने-अपने स्तर पर बच्चे की जान बचाने के लिए राहत कार्य में जुटे रहे। जेसीबी से बोरिंग के समानांतर निरंतर खुदाई की गई। रात होने पर मौके पर रोशनी की व्यवस्था की गई तथा रेस्क्यू का काम जारी रहा। बोरिंग के पास ही खुदाई की गई। बोरिंग के ऊपर से बच्चे की आवाज आ रही थी।

बच्चा बोरिंग के भीतर 30 फीट की गहराई में फंसा हुआ था। वहीं बच्चे के माता-पिता और परिजन निरंतर गुहार लगा रहे थे। जैसे-जैसे इसकी जानकारी आसपास के गांवों के लोगों को लगी तो वे भी मौके पर निरंतर पहुंचे। 3 घंटे तक चले रेस्क्यू के पश्चात् बच्चे को बाहर निकाल लिया गया। मगर उसे जब हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने बताया कि ये बोरवेल खेत में थैले से ढंका था। खेलते-खेलते बच्चों ने थैला हटाया तथा अंदर झांकने लगे, इसी के चलते 5 वर्ष का विजय इसमें गिर गया।

झुक रहे बिजली पोलों से दुर्घटना का भय, बिजली विभाग का त्वरित ध्यान देना जरूरी

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ में कई विद्युत पोल झुक रहे हैं तो एक पोल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर झुका दिया है, यह पोल किसी दिन दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।

आम्बुआ कस्बे में वार्ड क्रमांक 2-3 के बीच निवासरत गोपाल कन्हैयालाल राठौर तथा फखरुद्दीन बोहरा के घरों के पास खड़ा विद्युत पोल एक और झुक रहा है तथा वह भवन के उपरी मंजिल के समीप दिखाई दे रहा है। इसी तरह समीप ग्राम बोरझाड़ में पेट्रोल पंप प्रांगण में सड़क किनारे स्थित लोहे का पोल जिस पर हैवी लाइन के तार जा रहे हैं को अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार देने के कारण यह पोल नीचे से धनुष के आकार में टेढ़ा हो गया है जो कि दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है। इसी तरह कस्बे में कई सीमेंट पोल ऐसे है जो की बहुत घटिया स्तर के लगाए गए हैं देखने में ही कमजोर दिख रहे हैं। यह पोल कभी भी दुर्घटना का सबक बन सकते हैं विद्युत विभाग को अभिलंब ध्यान देना जरूरी माना जा रहा है।

वहीं स्थानीय गोपाल राठौर एवं फखरुद्दीन बोहरा ने बताया कि, हमारे घर के पास खड़ा पोल झुक गया है तथा मकान की उपरी मंजिल के समीप आ गया है दुर्घटना का भय बना हुआ है।

भरत महेश्वरी पंच ग्राम पंचायत आम्बुआ ने भी बताया कि, मेरे घर के सामने लगा बिजली का पोल झुक गया है जिससे बड़ी दुर्घटना का भय बना हुआ है।

अज्ञात कारणों से युवक ने जहरीला पदार्थ पीकर की आत्महत्या

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्राम छोटा इटारा निवासी एक युवक ने आम्बुआ कस्बे से बाहर पुराने पत्थर कारखाने के पीछे के मार्ग पर कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने का समाचार है घटना का कारण अज्ञात है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस थाना आम्बुआ को छोटा इटारा निवासी नूरसिंह पिता गुलसिंह नदीधड़ फलिया जो कि सीएसपी पद से रिटायर है ने सूचना दी की उसका लड़का महेश कनेश (29) वर्ष 11 दिसंबर को घर से 3 बजे दोपहर को निकाला था तथा उसने मेरे भतीजे दिलीप को मोबाइल पर बताया कि वह गुजरात मजदूरी करने जा रहा है, इस कारण हम निश्चित हो गए। 12 दिसंबर को करीब 7 बजे सूचना मिली कि महेश आम्बुआ में टेकरी वाली माता मंदिर के पास सड़क किनारे पड़ा है हम तथा परिवार वाले वहां गए वहां पर महेश मृत पड़ा था तथा जहरीली दवा की शीशी भी पास पड़ी थी। हमने तत्काल सूचना आम्बुआ थाने पर दी जहां मर्ग क्रमांक 66/2023 पर धारा 174 जा.फो के तहत प्रकरण कायम कर शव का पंचनामा बना कर शव परीक्षण उपरांत अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौप जाकर आगे विवेचना की जा रही है। घटना का कारण अज्ञात है। सहायक उप निरीक्षक रामेश्वर बघेल द्वारा विवेचना की जा रही है।

राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले इस नेता को खतरा... केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

ग्वालियर।

इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर मध्यप्रदेश के बड़े हिंदूवादी नेता जयभान सिंह पवैया की सुरक्षा बढाई गई है। उन्हें अब जेड श्रेणी सुरक्षा कवर देने के आदेश जारी किए गए हैं। रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान केंद्रबिंदु में रहे पवैया उस समय बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक थे। पवैया ने फोन पर बातचीत में इस आदेश की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उन्हें भी इसकी सूचना बुधवार ही प्राप्त हुई है। बताया गया है कि राममंदिर के उदघाटन के चलते आईबी इनपुट्स के चलते गृह मंत्रालय ने यह आदेश जारी किए हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से राजनीति में आए पवैया को राममंदिर आंदोलन और बाबरी ढांचे के विध्वंस मामले के मुख्य किरदारों में से एक माना जाता है। कट्टर हिंदू छवि वाले पवैया को इस ढांचे के बाद लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी , उमा भारती जैसे मुख्य लोगों के साथ आरोपी बनाया गया था।

रामजन्मभूमि आंदोलन को गति देने का श्रेय पवैया को ही जाता है। संघ ने पहले उन्हें मध्य प्रदेश में बजरंग दल का मुखिया बनाया गया और फिर आंदोलन को गति देने का समय आया तो विनय कटियार की जगह पवैया को बजरंग दल की राष्ट्रीय स्तर पर कमान सौंपी गई। विध्वंस करने वाले बजरंगियों को तैयार करने में उन्होंने महती भूमिका निभाई। यही वजह है कि विध्वंस के बाद उन्हें इस मामले के प्रमुख आरोपियों में शामिल करते हुए केस दर्ज किया गया।

रामजन्म भूमि आंदोलन के बाद से ही वे इस्लामिक कट्टरपंथियों की राडार पर माने जाते हैं और उन्हें सुरक्षा मिली हुई है। अब तक उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी, लेकिन अब अगले महीने अयोध्या में श्रीराम मंदिर का लोकार्पण से पहले उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों को मिले इनपुट के आधार पर बीते दिनों गृहमंत्रालय ने सुरक्षा समीक्षा करते हुए आदेश जारी कर दिए।

संघ से भाजपा में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें लोकसभा का प्रत्याशी बनाया। एक बार वे ग्वालियर से सांसद रहे और एक बार ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी चुने गए। उस दौरान वे शिवराज सिंह की सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री भी बने लेकिन 2018 का चुनाव हार गए। अभी वे भाजपा से महाराष्ट्र के सह प्रभारी हैं।

आम्बुआ से अलीराजपुर तक का सड़क मार्ग जर्जर हालत में

माही की गूंज, आम्बुआ।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 56 आम्बुआ से अलीराजपुर तथा आम्बुआ से आजाद नगर इन दिनों अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। मार्ग पर कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे तो कई स्थानों पर सड़क डामर छोड़ चुकी है जिसकी सुध लेने वाला कोई है ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है।

अलीराजपुर से दाहोद व्याया आम्बुआ आजाद नगर राष्ट्रीय राजमार्ग 56 की हालत खराब हो रही है। आम्बुआ से अलीराजपुर 19 किलोमीटर तथा आजाद नगर 17 किलोमीटर के बीच की सड़क पर अनेक जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो रहे हैं। कई स्थानों पर कृषकों ने सिंचाई पाइप निकालने हेतु नाली खोदी जाने के कारण गड्ढे पड़ गए हैं तो कई स्थानों पर घटिया कार्य का नमूना दिखाई दे रहा है। डामर सड़क छोड़ चुका है जिससे पुरानी सड़क दिखाई दे रही है। अनेक स्थानों पर सड़क के डामर में दरारें देखी जा सकती है। सड़क की साइड पट्टी दोनों तरफ से इतनी गहरी हो गई है कि यदि भूल से दो पहिया वाहन नीचे उतरा तो दुर्घटना होने से कोई रोक नहीं सकता है। आमने-सामने आने वाले चार पहिया वाहन चालक भी इन गड्ढों से परेशान है। आश्चर्य इस बात का है कि, इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रतिदिन अधिकारी, नेता, मंत्री गुजरते हैं इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती है मार्ग की खस्ता हालत वाहन दुर्घटनाओं को खुला आमंत्रण दिखाई दे रहा है। पुनः सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी इस बार इस सड़क मार्ग का उद्धार करेगी ऐसा माना जा रहा है।

बकरी ने जन्मा इंसानों जैसी शक्ल वाला बच्चा

इंदौर।

बुधवार को इंदौर में एक बकरी ने बच्चे को जन्म दिया। जन्म के बाद बकरी के बच्चे को देखकर मालिक हैरान रह गया। दरअसल बकरी के बच्चे की शक्ल इंसानों जैसी दिख रही है। इंसानों की शक्ल वाले बकरी के बच्चे को देखने के लिए इलाके को लोग इकट्ठा हो रहे हैं।

मामला इंदौर के चन्दन नगर इलाके का है। मोहसिन नाम के व्यक्ति के घर भूरी नाम की बकरी ने बुधवार को दो बच्चों को जन्म दिया, जिसमें से एक इंसान के जैसी शक्ल की बकरी ने जन्म लिया है। वहीं दूसरा बच्चा बिलकुल सही अवस्था में था। भूरी मालवी प्रजाति की बकरी है जो इन्सान की शक्ल की बकरी है। बकरी के बच्चे के की दोनों आंखे बीच में थी।

डॉक्टरों का कहना है कि बकरी को जो समस्या हुई है, उसे 'हेड डायस्पेप्सिया' कहते हैं। उनके अनुसार, 50 हजार में कोई एक ही जानवर इससे ग्रसित होता है। डॉक्टरों के अनुसार, ये आमतौर पर गाय-भैसों में होत है, बकरियों में नहीं।

चीलर नदी सौन्दर्यीकरण के लिए प्रारंभिक बैठक संपन्न

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर किशोर कन्याल की अध्यक्षता में चीलर (चन्द्रलेखा) नदी के सौन्दर्यीकरण एवं विकास के लिए कन्सल्टेन्ट प्रतिनिधि एवं नगपालिका के सीएमओ एवं इंजीनियर्स के साथ प्रारंभिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में चीलर नदी के राजराजेश्वरी मंदिर से बादशाही पुल तक सौन्दर्यीकरण के लिए कार्ययोजना बनाने पर चर्चा हुई।

कलेक्टर कन्याल ने चीलर नदी के हनुमान मंदिर से श्री घाट के बीच नौकाविहार, फ्लोटिंग फाउन्टेन्ट्स एवं पौधे, लाईट्स साउण्ड शो, पैदल पथ निर्माण, आसपास हरियाली रखने सहित अन्य प्रस्ताव शामिल करते हुए सौन्दर्यीकरण के लिए 25 दिसम्बर तक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। साथ ही नदी में कोई भी व्यक्ति कचरा आदि अपशिष्ट पदार्थ नहीं डाले, इसके लिए फेंसिंग तथा जलकुम्भी हटाने के लिए मशीन क्रय करने आदि को भी कार्ययोजना में शामिल करने के लिए कहा। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले जल को चीलर नदी में छोड़ने के लिए कार्य योजना बनाने के लिए कलेक्टर ने कहा। उल्लेखनीय है कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से 4 एमएलडी उपचारित जल प्रतिदिन प्राप्त होगा, जिसे चीलर नदी में छोड़ा जायेगा। इससे नदी में हमेशा पानी बना रहेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, नगरपालिका सीएमओ डॉ. मधु सक्सेना, कन्सल्टेंट राहुल झोपे, इंजीनियर सत्येन्द्र सोजतिया, सुश्री नेहा जोशी सहित जलसंसाधन विभाग के इंजीनियर्स भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों से दो संकल्प लिए

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर एवं केन्द्रीय विद्यालय शाजापुर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष किशोर कुमार कन्याल ने विद्यार्थियों से कहा कि, मैं आपसे दो संकल्प लेना चाहता हूँ। पहला, आप अपने घर को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दें और दूसरा, प्रत्येक विद्यार्थी एक एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करें और अंकुर एप में उसके फ़ोटो अपलोड भी करें। शाजापुर की हवा दूसरे शहरों से शुद्ध है। यहां लंबी उम्र जीनेवाले लोगों की अच्छी संख्या है। शाजापुर ज़िलें में एक सौ दस साल से बड़ी उम्र के 72 लोग हैं। यह बात कलेक्टर कन्याल ने केन्द्रीय विद्यालय शाजापुर की प्रबंधन समिति की बैठक के पूर्व विद्यार्थियों की प्रार्थना सभा में कही।

इस अवसर पर केवि शाजापुर की प्राचार्य डॉ. संध्या एस तरफ़दार ने वीएमसी अध्यक्ष कलेक्टर किशोर कन्याल को विद्यालय की संभावनाशील चित्रकार नव्या की पेंटिंग भेंटकर स्वागत किया। उन्होंने स्वागत स्मृति स्वरूप एक पुस्तक भी भेंट की। प्राचार्य ने कहा, यह पहली बार है जब चेयरमैन विद्यालय पधारे। आपने बच्चों के लिए, विद्यालय के लिए इतना समय निकाला। हम परिश्रमी स्टाफ़ और अच्छे बच्चों के साथ शैक्षणिक श्रेष्ठता के लिए प्रतिबद्ध और तत्पर हैं।

प्रार्थना सभा के बाद केंद्रीय विद्यालय शाजापुर की प्रबंधन समिति की बैठक हुई। बैठक में प्राचार्य ने विद्यालय की अकादमिक, खेलकूद उपलब्धियों, चल रहे कार्यों, भावी कार्य योजनाओं और आवश्यकताओं से समिति को अवगत कराया। उन्होंने समिति को जानकारी दी कि बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों को स्टडी मटेरियल बाँटा जा चुका है। विंटर ब्रेक में रेमेडियल क्लासेस का टाईम टेबल तैयार है। पीएमश्री योजना के अंतर्गत आवश्यक वस्तुओं की ख़रीद और कमरों के निर्माण होने हैं। कंडमनेशन, मेडिकल चेकअप और एक्सकर्षन टूर प्रोग्राम से भी प्राचार्य ने समिति को अवगत कराया।

कलेक्टर द्वारा समिति सदस्यों से सुझाव माँगने पर केवि शाजापुर के नॉमिनी चेयरमैन नरेन्द्रनाथ पांडेय, एसडीएम ने कहा कि केवि अभी शहर से थोड़ा अलग-थलग है। शहर के शैक्षिक परिवेश से एसोसिएशन बने। सेमिनार हों। इंटरैक्टिव सेशन हों। आप जो अच्छे काम करते हैं उनकी जानकारी शहर को भी हो। अपने अच्छे क्रियाकलाप मीडिया में भी लाएँ। अच्छी प्रैक्टिस का प्रचार-प्रसार होने से वो बढ़ती हैं। सुझावों में केवि में कला संकाय सेक्शन (कक्षाएँ) खोलने और बालकृष्ण शर्मा नवीन सरीखे शहर के साहित्यिकों से परिचित कराने संबंधी कार्यक्रमो की आवश्यकता के सुझाव भी आए।

बैठक में प्रबंधन समिति के सदस्य सुरेंद्र सोजतिया, (सहायक यंत्री), शैलेन्द्र सिंह गौर (मैनेजर यूबीआई), श्रीमती संतोष शर्मा, नरेन्द्र सिंह डोडिया, (प्राचार्य, कौटिल्य एकेडमी) वनवारी बैरागी(व्याख्याता, डाइट), नंदकिशोर विश्वकर्मा (शिक्षक), श्रीमती तनुजा व्यास, श्रीमती नीतू जैन, आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन शशिभूषण ने किया और आभार श्रीमती सुषमा देवी ने व्यक्त किया।

सामने आने लगा संगठन का विवाद, आखिर जिलाध्यक्ष कौन...?

माही की गूंज ने पहले ही दे दिए थे संकेत, निपटने और निपटाने वाले क्या होंगे आमने-सामने

माही की गूंज, झाबुआ।

2023 का विधानसभा चुनाव निपट चुका है और नई सरकारें वजूद में आ चुकी हैं। प्रदेश में भाजपा ने पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने में कामयाबी हासिल कर ली है। चुनावी शोरगुल शांत होने के बाद अब आरोप प्रत्यारोप के दौर भी चल रहे है। कौन किसकी वजह से हारा इस पर बहस छिड़ी हुई है। चुनावी हार-जीत के बाद भेदियों पर निशाने साधे जा रहे है। सोशल मीडिया पर घर के भेदियों को जमकर कोसा जा रहा है। अप्रत्यक्ष रूप से चेतावनियां और धौंस-दपट भी चल रही है। भले ही प्रदेश में भाजपा ने सरकार बना ली हो, लेकिन जिले की महत्वपूर्ण झाबुआ विधानसभा हारने के बाद जिले की संगठनात्मक राजनीति में बवाल मचा हुआ है। इस बवाल का सीधा सा कारण भीतरघात से मिली हार को माना जा रहा है।

प्रत्याशी घोषित होने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया की जगह भाजपा प्रदेश संगठन ने कार्यवाहक जिलाध्यक्ष की घोषणा प्रवीण सुराना के रूप में कर दी थी। भानू को जिलाध्यक्ष पद से हटाया गया इसका कोई लिखित और अधिकृत प्रमाण या भाजपा प्रदेश संगठन के कोई निर्देश देखने को अब तक नहीं मिले है। जबकि कार्यवाहक अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर बकायदा प्रदेश भाजपा संगठन ने लिखित निर्देश जारी किए थे। अब जबकि विधानसभा चुनाव निपट चुके है और झाबुआ विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रहे जिलाध्यक्ष भानू भूरिया भी निपट चुके है। उन्हे कांग्रेस प्रत्याशी विक्रांत भूरिया से हार का सामना करना पड़ा है। चुनावी माहौल निपटने के बाद अब संगठन में पद को लेकर कई सारी शंकाएं, कुशंकाएं चल रही है। भाजपा संगठन में किसी को यह समझ नहीं आ रहा है कि, अब जिलाध्यक्ष कौन...? क्योंकि संगठन में दोनों ही तरफ से दावे किए जा रहे है। भानू भी जिलाध्यक्ष होने का दावा कर रहे है तो प्रदेश संगठन से नियुक्त हुए कार्यवाहक अध्यक्ष प्रवीण सुराना भी जिलाध्यक्ष होने का दावा कर रहे है। इन परिस्थितियों में भाजपा कार्यकर्ता और आमजन को यह समझ नहीं आ रहा है कि, आखिर भाजपा का जिलाध्यक्ष अब कौन है...?

विधानसभा चुनावों के पहले भानू भूरिया का झाबुआ विधानसभा के लिए बतौर भाजपा प्रत्याशी नाम घोषित किया गया। जिसके बाद झाबुआ विधानसभा में भानू के खिलाफ विरोध प्रदर्शन देखने को मिले। भानू के विरोध को देखते हुए भाजपा ने यकायक कार्यवाहक अध्यक्ष की घोषणा प्रवीण सुराना के रूप में कर दी। परिस्थितियों को देखते हुए माही की गूंज ने अपने 14 सितम्बर के अंक में **''प्रवीण सुराना मतलब राजगढ़ नाका या भानू भूरिया?''** शीर्षक से छपे समाचार में यह साफ कर दिया था कि, चुनावी जीत या हार के बाद स्थितियां कैसी रहेगी।

माही की गूंज की यह रिपोर्ट अब चुनाव के बाद बिलकुल सटीक साबित होती नजर आ रही है। माही की गूंज ने अपने 14 सितम्बर के अंक में लिखा था कि **''झाबुआ विधानसभा प्रत्याशी के तौर पर भानू भूरिया का नाम सामने आने के बाद उनके पास मौजूद संगठन के पदों को लेकर विरोध के सुर विधानसभा क्षेत्र में दिखाई पड़ रहे है। हालांकि भानू और भाजपा इसे खुले तौर पर सिरे से नकारते नजर आ रहे है। बावजूद इसके संगठन ने शायद विरोध को देखते हुए भानू से जिलाध्यक्ष का पद छीना या नहीं यह अब भी सवालों के घेरे में है। क्योंकि भानू को जिलाध्यक्ष पद से हटाने संबंधी कोई पुख्ता खबर अब तक सामने नहीं आई है, हां यह जरूर हुआ है कि, जिले में कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर प्रवीण सुराना का एलान अधिकारिक तौर पर प्रदेश संगठन ने कर दिया है। अब सवाल यह उठ रहे है कि, आखिर प्रवीण सुराना को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाकर भाजपा कौन से नए खेल को अंजाम दे रही है...?''**

''अब जबकि भाजपा प्रदेश संगठन एक ऐसे मौड़ पर आकर खड़ा हो गया जहां जिलाध्यक्ष को प्रत्याशी बनाने के बाद स्थिति उस सांप सी हो गई जो छछुंदर को मुंह में लेने के बाद ना उगल सकता ना निगल सकता। बस इसी स्थिति से निकलने के लिए प्रदेश भाजपा संगठन ने प्रवीण सुराना को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष के रूप में नियुक्त कर दिया। हालांकि चुनावी माहौल को देखते हुए सुराना का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनाया जाना कई तरह के संदेह को पैदा कर रहा है। अगर इस विधानसभा चुनाव में पार्टी जिले में हारती है तो सुराना का जाना भी तय ही है। मगर भाजपा जिले में इस विधानसभा में विजयश्री प्राप्त करती है तब भी यह संदेह बना रहेगा कि, अब अगला जिलाध्यक्ष कौन...? क्योंकि सुराना तो वर्तमान में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष है। एक सवाल यह भी उठता है कि, अगर पार्टी जीतती है या हारती है, तो क्या विधानसभा चुनावों के बाद भानू भूरिया फिर से जिलाध्यक्ष के पद पर यथावत रहेंगे...? क्योंकि हाला स्थितियां तो यही बयां कर रही है।''

माही की गूंज द्वारा दी गई अपनी इस रिपोर्ट में हमने यह भी बताया था कि, प्रवीण सुराना के कार्यवाहक अध्यक्ष बनने के बाद परिस्थितियां क्या रहेंगी। क्योंकि प्रवीण सुराना को हमेशा से ही भाजपा के गुट विशेष यानि राजगढ़ नाका ग्रुप का माना जाता रहा है और भानु भूरिया और राजगढ़ नाका ग्रुप में किसी तरह का कोई गहरा सामंजस्य कहीं से भी दिखाई नहीं पड़ता बल्कि यह जरूर देखने में आया कि यह दोनों एक दूसरे के विपरीत दिखाई दिए है। इसी को लेकर माही की गूंज ने यह भी लिखा था कि **''सुराना अब किधर के...? ''** 14 सितम्बर की इसी रिपोर्ट में हमने बताया था कि, **''अब जबकि सुराना को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनाया जा चुका है तो एक मुद्दा इस चुनावी माहौल में और गर्मा गया है कि, अब सुराना किधर के...? बाजार में चर्चा का दौर भी गर्म है कि, सुराना अब आखिर किधर के...? चर्चाओं के अनुसार एक बात यह सामने निकल कर आ रही है कि, चूंकि सुराना हमेशा से ही राजगढ़ नाका के सिपह सालार रहे है, तो इस चुनावी माहौल में राजगढ़ नाका की स्थिति मजबूत होती दिखाई दे रही है। कहने वाले तो यहां तक कह रहे है कि, प्रवीण सुराना को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही जिलाध्यक्ष की दौड़ में लगे सारे चेहरे भरसक प्रयास में लगे है कि, जिलाध्यक्ष का यह पद उनकी झोली में आकर गिरे। इसी कवायद का एक हिस्सा सीधे तौर पर राजगढ़ नाका से ही जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।**

वैसे अगर देखा जाए तो राजगढ़ नाका और भानू भूरिया गुट में कभी कोई गहरा सामंजस्य नहीं देखा गया। इस स्थिति में यह भी कयास लगाए जा रहे है कि, पावर में आने के लिए कहीं राजगढ़ नाका ही भानू भूरिया को ना निपटा दे। चूंकि पिछले कुछ वर्षों में भानू का कद बहुत अधिक बढ़ा है और राजगढ़ नाका लंबे समय से लुप लाईन में है। युवा मोर्चा से निकलकर सीधे तौर पर 2018 में विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के कद्दावर नेता कांतिलाल भूरिया से सीधी टक्कर ने इसमें चार चांद लगा दिए थे। हालांकि तब भानू भूरिया को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन वे विधानसभा में सबसे अधिक वोट पाने वाले भाजपा प्रत्याशी बन गए थे। 2018 का विधानसभा उपचुनाव हारने के बावजूद भानू का प्रदेश स्तर के नेताओं से जीवित संपर्क उन्हे एक नई उचाईयों तक ले गया। जिसका परिणाम यह रहा कि, प्रदेश संगठन ने जिले की कमान भानू भूरिया के हाथों में सौंप दी। कद बढने के साथ-साथ भानू ने प्रदेश संगठन में अपनी पैठ बनाई जिसने उन्हे विधानसभा 2023 के चुनावों के लिए झाबुआ विधानसभा 193 का प्रत्याशी बना दिया। भानू के इस बढ़ते कद को जिला मुख्यालय के कई ग्रुप पचा नहीं पा रहे है। यही वह कारण है जो इस बात के लिए संदेह पैदा कर रहा है कि, प्रवीण सुराना का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनना कहीं भानू को नुकसान तो नहीं पहुंचाएगा...? क्योंकि प्रवीण सुराना मतलब राजगढ़ नाका...? ''

विधानसभा चुनाव निपटने के बाद खुद भानू भूरिया ने स्थिति को स्पष्ट कर दिया कि, उनकी हार का कारण भीतरघात ही है। हालांकि भानू ने पूरी तरह खुलकर तो यह नहीं बताया कि यह भीतरघात आखिर कहां से हुआ है, मगर स्थितियों को भापते हुए यह अंदाजा लगाना कोई मुश्किल भी नहीं है कि भानू के साथ हुआ भीतरघात आखिर कहां से हुआ होगा..?

माही की गूंज ने इस मुद्दे पर भी अपने पिछले अंक में स्थितियां स्पष्ट की थी। 7 दिसम्बर को जारी अंक में **''कांग्रेस जीती नहीं, भानु भीतरघात से निपटाए गए...''** शीर्षक से विस्तृत रिपोर्ट का प्रकाशन किया था।

जिसमें यह बताया था कि **''जिले में सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाली झाबुआ विधानसभा में भी हार और जीत के विश्लेषण हो रहे है। इन्ही विशलेषणों के आधार पर यह प्रतीत होता नजर आ रहा है कि, झाबुआ विधानसभा सीट से कांग्रेस जीती नहीं है बल्कि भाजपाई भीतरघातियों ने भानु भूरिया का सुर्यास्त किया है। हालांकि माही की गूंज ने यह बहुत पहले ही स्पष्ट कर दिया था। भानु भूरिया की जगह जिलाध्यक्ष पद पर कार्यवाहक अध्यक्ष की नियुक्ति ने यह स्पष्ट इशारे दे दिये थे और माही की गूंज ने भी यह स्पष्ट किया था कि, भाजपा के गुट विशेष से कार्यवाहक अध्यक्ष बनना भानु के लिए नुकसानदायक हो सकता है और हुआ भी यही। जिला मुख्यालय पर लुप लाईन में चल रहा भाजपा का यह धड़ा या गुट काफी समय से असंतुष्ट देखा जा रहा था। मगर जैसे ही भानु के नाम पर टिकट की घोषणा हुई वैस ही इस गुट ने अपनी मोहरें चलना शुरू कर दी थी। वजह भी साफ थी कि, अगर वापस भाजपा संगठन में सक्रिय भूमिका में आना है तो चालें चलना पड़ेगी और इस गुट ने किया भी यही। उद्देश्य सिर्फ इतना था कि, प्रदेश संगठन को यह जताया जा सके कि, टिकट गलत व्यक्ति को दे दी गई है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए भानु का हारना बेहद जरूरी था। इसके लिए जिला मुख्यालय पर भाजपा के इस गुट विशेष ने वह सब किया जो जरूरी था। अब जबकि भानु यह चुनाव हार चुके है तो गुट विशेष की यह योजना सफल हो गई। क्या हुआ जो भाजपा ने अपनी एक महत्वपूर्ण सीट गवां दी। मगर यह अब तक स्पष्ट नहीं है कि, जिला मुख्यालय पर भाजपा के इस एक गुट विशेष को संगठन में अब कितनी तवज्जो मिलेगी।**

इस विधानसभा में भानू के सामने दो बड़ी परीक्षाएं थी। एक तो कांग्रेस के कद्दावर नेता का पुत्र डॉ. विक्रांत भूरिया का प्रतिद्वदी होना और दूसरा भीतरघातियों से पार पाना। 3 दिसम्बर को आए परिणामों ने इस स्थिति को भी स्पष्ट रूप से सामने रख दिया। भानू भूरिया अपने चुनावी प्रतिद्वदी से तो काफी हद तक पार पा चुके थे, लेकिन भीतरघातियों ने भानु की किनारे लगती कस्ती में छेद कर दिया। जिसका नतीजा यह रहा कि भानु को विधानसभा चुनावों में यह दूसरी हार का सामना करना पड़ा। अगर भानु के साथ यह भीतरघात न हुआ होता तो परिणाम कुछ ओर ही होते।''

माही की गूंज की यह सारी रिपोर्ट वर्तमान में स्पष्ट रूप से सटीक साबित हुई है और भाजपा जिलाध्यक्ष पद को लेकर घमासान छिड़ चुका है। हालांकि मीडिया को दिए वक्तव्यों में भूरिया और सुराना दोनों ने ही अपने आपको जिलाध्यक्ष बताया है। जिले में सामने आ रहे इस संगठन के विवाद को प्रदेश भाजपा संगठन अब कैसे सुलझाएगा यह देखने वाली बात होगी। वरना यह संभावनाएं बनी रहेगी कि निपटने और निपटाने वाले आमने-सामने हो जाएंगे और जिला भाजपा संगठन की स्थिति वही ''ढाक के तीनपात '' यानि गुटबाजी में बटकर रह जाएगी। चूंकि महज कुछ माह बाद लोकसभा चुनावों का बिगुल बजने वाला तो जिले में भाजपा संगठन की यह स्थिति कुछ अच्छे संकेत तो नहीं है भाजपा के लिए।

किसी को नहीं मिला मंत्री पद, अभी करना पड़ेगा इंतजार

निर्मला भूरिया को लेकर लगातार चलती रही चर्चा, डिप्टी सीएम बनाये जाने के थे दावे

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

मध्यप्रदेश की सरकार में मुख्यमंत्री पद को लेकर जितनी चर्चा और हलचल प्रदेश भर में रही उसी तर्ज पर अब प्रदेश के नए मंत्री मण्डल को लेकर चर्चा होना तय माना जा रहा। भाजपा ने अंतिम समय मे उज्जैन दक्षिण के विधायक मोहन यादव को अपना चेहरा बनाकर सब को चौका दिया और मुख्यमंत्री की रेस में शामिल कई बड़े चेहरे और नाम धरे रह गए। क्योंकि जिन चेहरों की चर्चा मुख्यमंत्री पद के लिए की जा रही थी वो डिप्टी सीएम तक भी नही बन सके। मोदी और शाह की नई भाजपा में विरोध के लिए कोई जगह नही रहती हैं और वो देखा भी गया। पार्टी के निर्णय के खिलाफ कोई बड़ा नेता एक भी शब्द बोलता नही दिखाई दिया। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अब सब की नजर नई सरकार के नए मंत्रीमंडल पर है कि, आखिर किसको मंत्रिमंडल में मिलेगी जगह...?

प्रदेश के मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद कई बड़े नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल नामो की घोषणा का इंतजार था। हर कोई नेता अपने क्षेत्र के विधायक को मंत्री पद मिलने की राह देख रहा था। लेकिन बुधवार को केवल मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री को शपथ दिलाई गई ओर मंत्रिमंडल की चर्चा को कुछ समय के लिए विराम दे दिया। इससे पहले पेटलावद विधायक निर्मला भूरिया को उपमुख्यमंत्री तक बनांए जाने का दावा क्षेत्र में किया जा रहा था।

मंत्री पद का इंतजार

भाजपा मे मंत्री पद के फार्मूले को लेकर कहा जा रहा है कि, एक संसदीय क्षेत्र से एक मंत्री बनाये जाने की उम्मीद् है। ऐसे में रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर क्षेत्र को भी मंत्रिमंडल में जगह मिलना तय माना जा रहा है। लेकिन ये पद किस जिले के खाते में जायेगा ये अभी भविष्य के गर्त में छूपा है। संसदीय क्षेत्र में आने वाले तीनो जिलों से एक-एक विधायक जीत कर आये हैं, जिंसमे पेटलावद विधायक निर्मला भूरिया को सबसे अधिक अनुभव और सीनियर होने का लाभ मिलने की बात कही जा रही है। लम्बे समय मे जिले को मंत्री पद नही मिल पाया है, आखरी बार 2013 की सरकार में निर्मला भूरिया ही राज्यमंत्री बन पाई थी। आगामी लोकसभा की तैयारियों को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व मंत्री पद का निर्णय लेगा। ऐसे में जो विधायक उनके साँचे में फिट बैठेगा वो ही मंत्री बन पाएगा। फिलहाल क्षेत्र की जनता और भाजपा नेताओं को मंत्री पद के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

मल मास बनेगा रोड़ा, शपथ कार्यक्रम में नही पहुचे कार्यकर्ता

16 दिसम्बर से मल मास शुरू हो रहा है और धार्मिक मान्यता के अनुसार कोई शुभ कार्य एक माह नही होता। ऐसे में भाजपा आने वाले एक-दो दिनों में मंत्रिमंडल के नामो पर निर्णय नही लेती हैं तो फिर नए मंत्री मण्डल के लिए जनवरी के पहले सप्ताह तक इंतजार करना पड़ सकता है। आधा मल मास होने के बाद ही कोई निर्णय सम्भव माना जा रहा है। निर्मला भूरिया के मंत्री पद की रेस में नाम होने से क्षेत्र के भाजपा नेता उत्साहित तो दिखे लेकीन मंत्री मण्डल के नामों पर निर्णय की किसी प्रकार की जानकारी नही होने से क्षेत्र के भाजपा नेता ओर कार्यकर्ता शपथ कार्यक्रम में हिस्सा लेने नही पहुँचे।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री के शपथ समारोह में शामिल हुए उद्योगपति बृजेंद्र शर्मा

माही की गूंज झाबुआ।

बुधवार को भोपाल में आयोजित मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के शपथ ग्रहण समारोह में झाबुआ के समाजसेवी एवं उद्योगपति बृजेंद्र शर्मा (चुन्नू भैया) विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को गुलदस्ता भेंटकर शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि, सीएम यादव के शर्मा परिवार से पारिवारिक संबंध है। वे हर परिवारिक आयोजन में शामिल होते रहे हैं। जब सीएम बने तो अपने शपथ ग्रहण समारोह के लिए यादव ने खास तौर पर बृजेंद्र शर्मा के लिए विशेष आमंत्रण पत्र भेजा। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने को लेकर शर्मा ने बताया, हमारे प्रदेश के नए मुख्यमंत्री हमेशा मेरे परिवार के साथ खड़े रहे हैं तथा झाबुआ जिले से उनका विशेष लगाव भी है। उन्होने परेशानियों में हौसला बढ़ाया तो खुशियों में शामिल होकर उसे दोगुना

किया। हमारे परिवार के लिए यह बेहद आनंदित करने वाला पल है। हमारे मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नेतृत्व में हमारा प्रदेश चौमुखी विकास करेगा।

खंडहर इमारत बता रही है, ईमानदार पत्रकारिता पर जीवन कर दिया समर्पित

बंशी दादा के नाम से विख्यात वरिष्ठ पत्रकार के निधन से पत्रकार जगत में शोक, दी श्रद्धांजलि

माही की गूंज , पेटलावद/करवड़।

लगातार किसी एक संस्थान के साथ जुड़ कर 40 साल से अधिक निंविवाद पत्रकारिता कर पूरे क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले करवड़ के वरिष्ठ पत्रकार बंशीलालजी शर्मा का आकस्मिक निधन सोमवार को सुबह 11 बजे हृदयगति रुक जाने से हो गया । रोज की तरह अपने अखबार का वितरण कर घर पहुँचे और सीने में दर्द होने पर परिवार वाले उनको डॉक्टर के पास ले गये लेकिन बंशीलालजी शर्मा के प्राण पखेरू उड़ चुके थे। अंचल में उक्त खबर आते ही हर कोई स्तम्भ रह गया। खास कर ग्राम करवड़ के पाठक जिनको कुछ देर पहले ही अखबार स्वयं बंशी दादा देने आए थे कहते हुए मानने को भी तैयार नही थे कि दादा हमारे बिच नही रहै। पत्रकारिता के क्षेत्र में जुड़ने के बाद से निंविवाद पत्रकारिता करते हुए पत्रकारो के लिए हमेशा तत्तपर होकर जुड़े रहे और उनके लगातार इस समर्पण को देखते हुए जिला पत्रकार संघ द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरुष्कार से सम्मानित भी किया गया था। करवड़ में रतलाम रोड स्थित मुक्ति धाम पर बंशी दादा का अंतिम संस्कार किया गया जिंसमे बड़ी संख्या में नगरवासी सहित बड़ी संख्या में पत्रकारो ने पहुँच कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अधूरा मकान व फटा हुआ अखबार की एजेंसी का बोर्ड बया कर रहा पूरी कहानी

एक बड़े अखबार के साथ जुड़ कर लम्बे समय तक पत्रकारिता करते हुए खुद को बेदाग रखा। बंशी दादा के घर का अधूरा निर्माण और घर पर लगा अखबार की एजेंसी का पुराना फटा हुआ बोर्ड बता रहा है कि, बंशी दादा केवल पत्रकारिता से मतलब रखते थे और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उठाते हुए अपने अनुभव का उपयोग कर पीड़ित ओर शोषित लोगो के लिए आवेदन तैयार करने का कार्य करते थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422